नई दिल्ली ■ शनिवार 14 मार्च 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 345 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 इच्छामृत्यु पर सुप्रीम कोर्ट का संवेदनशील फैसला | 07 AIFF के पूर्व महासचिव कुशल दास का निधन | वेब सीरीज संकल्प में नजर आएंगी अभिनेत्री रूप दुर्गापाल 08

पश्चिम एशिया युद्ध की स्थिति में भी अफवाह फैला रही कांग्रेस : मोदी

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि वैश्विक संकट और युद्ध की परिस्थितियों के बीच भी कांग्रेस देश में अफवाह फैलाने और गलत जानकारी देने में लगी हुई है, जबकि भाजपा-एनडीए सरकार किसानों के हित, ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पूर्वोत्तर के विकास के लिए लगातार काम कर रही है।

प्रधानमंत्री ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान असम के लिए 19,500 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह किसी भी स्थिति में देश के प्रति ईमानदार नहीं है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं को सलाह देते हुए कहा कि वे 15 अगस्त को लाल किले से दिए गए भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के भाषण को सुनें। मोदी ने कहा कि पंडित नेहरू ने एक बार कहा था कि उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच चल रहे युद्ध की वजह से भारत में महंगाई बढ़ रही है। आज कांग्रेस के लोग भी उसी तरह देश को गुमराह करने में लगे हैं, जबकि वैश्विक संकटों का असर दुनिया के कई देशों पर पड़ता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा-एनडीए सरकार ने ऊर्जा क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए व्यापक काम किया है। आज भारत न केवल अपनी ऊर्जा जरूरतों का ध्यान रख रहा है, बल्कि वैश्विक ऊर्जा संतुलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

असम सहित पूरे पूर्वोत्तर में गैस पाइपलाइन और ऊर्जा बुनियादी ढांचे के विकास पर अभूतपूर्व निवेश किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि किसानों के लिए भी बड़ा कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि कुछ ही समय पहले पूरे देश के करोड़ों किसानों के खातों में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 18 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे भेजी गई है। यह योजना देश के छोटे और सीमांत किसानों के लिए सामाजिक सुरक्षा का मजबूत माध्यम बन चुकी है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले ऐसे लाखों किसान थे जिनके पास न तो मोबाइल फोन था और न ही बैंक खाता, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में वित्तीय समावेशन के माध्यम से करोड़ों किसानों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा गया है और अब तक उनके खातों में सवा चार लाख करोड़ रुपये से अधिक की सहायता राशि भेजी जा चुकी है।

प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि जब प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना शुरू की गई थी, तब कांग्रेस के लोगों ने इसके बारे में झूठ फैलाया था।

कांग्रेस के नेता किसानों से कहते थे कि चुनाव के बाद उन्हें यह पैसा वापस करना पड़ेगा, लेकिन आज यह योजना किसानों के लिए एक मजबूत सहारा बन चुकी है। मोदी ने कहा कि भाजपा-एनडीए सरकार के लिए किसान हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले केंद्र में दस वर्षों तक कांग्रेस की सरकार रही और उस दौरान किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के रूप में लगभग 6.5 लाख करोड़ रुपये मिले थे। इसके विपरीत पिछले दस वर्षों में उनकी सरकार ने किसानों को एमएसपी के रूप में 20 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया है। एमएसपी, सस्ता कृषि ऋण, फसल बीमा और किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं ने किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की है। इसके साथ ही सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि वैश्विक संकटों का असर भारत की खेती पर कम से कम पड़े।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कोविड महामारी और उसके बाद हुए वैश्विक संघर्षों के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में उर्वरकों की कीमतों में भारी वृद्धि हुई थी। कई देशों में इसकी कमी हो गई थी, लेकिन भारत सरकार ने किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी। जहां अंतरराष्ट्रीय बाजार में यूरिया की एक बोरी की कीमत लगभग 3000 रुपये तक पहुंच गई थी, वहीं भारत में किसानों को यह मात्र 300 रुपये में उपलब्ध कराई गई। इसके लिए केंद्र सरकार ने 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी दी है।

उन्होंने कहा कि पिछले दशक में देश को कृषि और ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। लंबे समय तक कांग्रेस सरकारों ने देश को कई क्षेत्रों में विदेशों पर निर्भर बनाए रखा, जिससे अंतरराष्ट्रीय संकटों का सीधा असर भारत के किसानों और आम लोगों पर पड़ता था। प्रधानमंत्री ने बताया कि खेती को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए सरकार ने 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' नीति लागू की है, जिसके तहत ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी सिंचाई तकनीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

कांग्रेस ने बोडोलैंड के साथ विश्वासघात किया भाजपा ने दिलाई स्थायी शांति: प्रधानमंत्री

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को असम के कोकराझार में आयोजित रैली को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए कांग्रेस पर बोडोलैंड के साथ वर्षों तक विश्वासघात करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दशकों तक बोडोलैंड क्षेत्र कांग्रेस के झूठे वादों और कागजी समझौतों का साक्षी रहा, जबकि भाजपा-राजग सरकार ने क्षेत्र में स्थायी शांति और विकास के लिए ईमानदार प्रयास किए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि खराब मौसम के कारण वे कोकराझार नहीं पहुंच सके और गुवाहाटी से ही लोगों को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से क्षमा मांगते हुए कहा कि वे दिल्ली से कोकराझार आने के लिए निकले थे, लेकिन मौसम की वजह से गुवाहाटी में ही उतरना पड़ा। मोदी ने कहा कि जब जनता ने केंद्र और असम दोनों जगहों से कांग्रेस को हटाकर भाजपा-राजग को मौका दिया, तब सरकार ने बोडोलैंड में स्थायी शांति के लिए ठोस प्रयास शुरू किए। इसी सोच के साथ वर्ष 2020 में बोडो शांति समझौता पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें पहली बार सभी प्रमुख संगठनों और समूहों को एक मंच पर लाया गया।

इराक में अमेरिकी सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त, 4 की मौत: सेंटकॉम

लंदन/वाशिंगटन। इराक में अमेरिकी सेना का एरियल रीफ्यूलिंग विमान केसी-135 दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में चार सैन्य कर्मियों की मौत हो गयी। अमेरिकी केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि हादसे में शामिल दो बोइंग कंपनी के केसी-135 विमानों में से एक क्रैश हो गया, जबकि दूसरा सुरक्षित उतरा।

प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि यह घटना न तो अपनी तरफ से हुई गोलीबारी के कारण हुई और न ही दुश्मन की गोलीबारी से। अमेरिकी सेंट्रल कमान ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पोस्ट में कहा कि 12 मार्च की दोपहर लगभग 2 बजे पश्चिमी इराक़ में एक अमेरिकी केसी-135 रीफ्यूलिंग विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बचाव कार्य जारी रहने के बीच विमान में सवार चालक दल के छह सदस्यों में से चार की मौत हो गई।

इस घटना के कारणों की जांच की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इराक में इस्लामिक रेजिस्टेंस नाम के संगठन ने इस विमान पर हमले की जिम्मेदारी ली है। हालांकि अमेरिकी सेना ने इसे दुश्मन का हमला नहीं माना है और बताया है कि विमान वहां गिरा जहां 'दोस्त देश का एयर स्पेस' था।

रीफ्यूलिंग विमान लड़ाकू विमान में हवा में ही ईंधन भरता है। ऑस्ट्रेलियाई प्रसारण निगम (एबीसी) और अमेरिकी वेबसाइट फॉक्स 8 के अनुसार पश्चिमी इराक में अमेरिकी सेना का एक एरियल रीफ्यूलिंग विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार चार सैन्य कर्मियों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त विमान में चालक दल के छह सदस्य सवार थे। इनमें से चार की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि दो की तलाश जारी है। यह दुर्घटना दुश्मन की गोलीबारी या 'फ्रेंडली फायर' के कारण नहीं हुई। फिलहाल, हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार यह घटना 'मित्र देशों के हवाई क्षेत्र' में चल रहे सैन्य अभियान के दौरान हुई।

पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास बीएसएफ ने बरामद किया संदिग्ध पैकेट

जम्मू। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास शुक्रवार को जम्मू के आरएस पुरा सेक्टर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने एक संदिग्ध पैकेट बरामद किया है। माना जा रहा है कि इस पैकेट को एक पाकिस्तानी ड्रोन से गिराया गया था। शुरुआती जानकारी के अनुसार यह पैकेट सीमावर्ती इलाके में मिला, जिसका वजन लगभग 1500 ग्राम था। बीएसएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस की टीमों ने तुरंत इलाके को सुरक्षित कर लिया। एहतियाती कदम के तौर पर पैकेट को मेटल डिटेक्टर से उचित जांच के बाद ही खोला जाएगा, ताकि इसके अंदर किसी भी विस्फोटक सामग्री की संभावना को पूरी तरह से खत्म किया जा सके।

विनय कुमार सक्सेना ने लद्दाख के उपराज्यपाल के रूप में शपथ ली

लद्दाख। दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शुक्रवार को केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के नए उपराज्यपाल के रूप में शपथ ली। सीआईबीएस ऑडिटोरियम लेह में आयोजित एक समारोह में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण पल्ली ने सक्सेना को पद की शपथ दिलाई।

समारोह में मुख्य सचिव लद्दाख, सभी प्रशासनिक सचिव और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। यूटी लद्दाख के चौथे एलजी के रूप में शपथ लेने के बाद वीके सक्सेना को लद्दाख पुलिस ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

उनकी नियुक्ति लद्दाख के उपराज्यपाल पद से कविंदर गुप्ता का इस्तीफा स्वीकार करने के बाद हुई। सक्सेना ने कविंदर गुप्ता का स्थान लिया हैं, जिन्हें जुलाई, 2025 में उपराज्यपाल लद्दाख के रूप में नियुक्त किया गया था। कविंदर गुप्ता को हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

उग्रवादी संगठन केसीपी के दो कैडर गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर पुलिस का राज्य में उग्रवादियों के विरूद्ध अभियान लगातार जारी है। पुलिस मुख्यालय द्वारा शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान में बताया गया है कि सुरक्षा बलों ने थौबल जिले के थौबल-थानांतर्गत थौबल वांगमा ताबा इलाके से उग्रवादी संगठन केसीपी (ताइबांगनबा) के दो सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार कैडरों की पहचान निंगथौजम थोई लीमा उर्फ सुंदरी (41), अरोंग खुनौ अवांग लीकाई की रहने वाली और निंगथौजम हेमंत सिंह उर्फ नाओचा (28), थौबल खेत्री लीकाई का रहने वाले के रूप में की गयी है। आरोपितों के पास से 140 राउंड 9एमएम के कारतूस और दो मोबाइल फोन बरामद किया गया है।

बिहार विस को बम से उड़ाने की धमकी वाले मेल की जांच

पटना। बिहार विधानसभा को शुक्रवार को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिलने से हड़कंप मच गया। इस सूचना के बाद विधानसभा प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं। विधानसभा परिसर की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने तत्काल संज्ञान लेते हुए सभा सचिवालय के वरीय पदाधिकारियों के साथ आपात बैठक की।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी ने ग्रीन कॉरिडोर का किया लोकार्पण

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊवासियों को अनमोल उपहार दिया है। राजधानी के लोगों को 1519करोड़ रुपये की लागत वाले ग्रीन कॉरिडोर के दूसरे चरण का लोकार्पण किया है।

यातायात व्यवस्था को और सुगम बनाने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। इसके साथ ही ग्रीन कॉरिडोर परियोजना के तीसरे व चौथे चरण का शिलान्यास किया। तीसरे चरण के अंतर्गत समतामूलक चौक से शहीद पथ व चौथे चरण के अंतर्गत शहीद पथ से किसान पथ तक का निर्माण होगा। लोकार्पण के उपरांत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोमती तट स्थित झूलेलाल वाटिका पर जनसभा को भी सम्बोधित किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अटल जी के विजन को जमीनी धरातल पर उतारने का कार्य प्रधानमंत्री व रक्षामंत्री के मार्गदर्शन में हम सब प्रदेश भर में लागू कर रहे हैं।

प्रदेश की राजधानी का स्वरूप कैसा होना चाहिए,लोगों का जीवन सुगम कैसे बने,सरलतापूर्वक लोगों को उनके गंतव्य तक पहुंचने में कैसे मदद मिले, यह सभी कार्यक्रम प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि हमने रक्षामंत्री के विजन को लखनऊ विकास प्राधिकरण को सौंपा। मैं लखनऊ विकास प्राधिकरण की टीम को धन्यवाद दूंगा जिन्हें हमने शासन से धनराशि नहीं दी थी, बल्कि उन्होंने शासन की जिस भूमि पर कब्जा हुआ था, उस कब्जे को मुक्त करते हुए उससे पैसा बनाया और अब 1618 करोड़ की लागत को अपने हाथ में लेकर लखनऊ की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने का काम किया है।

इसके पहले 02 फेज आज समर्पित किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि किसी राज्य की राजधानी कैसी होनी चाहिए, आज हमारा लखनऊ उसका एक बेहतरीन उदाहरण बना है।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अकासा एयर करेगी विमान रखरखाव केंद्र की स्थापना

मुंबई। घरेलू विमानन कंपनी अकासा एयर ने नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के साथ रणनीतिक सहयोग के तहत उत्तर प्रदेश के जेवर में बन रहे हवाई अड्डे पर विमान रखरखाव, मरम्मत व जीर्णोद्धार (एमआरओ) केंद्र स्थापित करने की शुक्रवार को घोषणा की। कंपनी के बयान के अनुसार, इस सहयोग के तहत अकासा एयर हवाई अड्डे के परिसर के भीतर इस केंद्र का संचालन करेगी और यहां विमानों के रखरखाव से जुड़ी विभिन्न उन्नत सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

बयान के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य भारत के विमानन बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को देश के प्रमुख विमान रखरखाव केंद्रों में स्थापित करना है। इससे संचालन क्षमता में सुधार होगा, स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे और क्षेत्र में कौशल विकास को बढ़ावा मिलेगा। अगस्त 2022 में सेवाएं शुरू करने के बाद अकासा एयर का यह पहला विमान रखरखाव केंद्र होगा। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) क्रिस्टोफ इनेलमैन ने कहा कि यह साझेदारी न केवल भारत की विमान रखरखाव क्षमताओं को मजबूत करेगी बल्कि क्षेत्र में कौशल विकास एवं रोजगार के अवसर भी बढ़ाएगी। बयान के अनुसार, यह सहयोग विमान रखरखाव सेवाओं में भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करने तथा पूरे क्षेत्र में नवाचार व संचालन उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह साझेदारी एक ऐसे एकीकृत विमानन तंत्र के निर्माण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है जो उद्योग के दीर्घकालिक विकास को समर्थन देगा और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में योगदान करेगा।

अकासा एयर के संस्थापक एवं सीईओ विनय दुबे ने कहा कि भारत का विमानन बाजार अभूतपूर्व गति से बढ़ रहा है और ऐसे में मजबूत घरेलू विमान रखरखाव क्षमताओं का विकास विमानन कंपनियों के लिए कुशल और भरोसेमंद संचालन के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि अकासा एयर के लिए इस क्षमता में शुरुआती निवेश विकास की सुविचारित रणनीति का हिस्सा है जिससे कंपनी की संचालन व्यवस्था मजबूत होगी और भारत में अधिक आत्मनिर्भर विमानन तंत्र के विकास में योगदान मिलेगा।

गौरतलब है कि छह मार्च को नागर विमानन महानिदेशालय ने नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा को हवाई अड्डा संचालन का लाइसेंस जारी किया जो उड़ान सेवाएं शुरू होने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बुजुर्ग ने जहरीला पदार्थ खाकर दी जान

नोएडा। थाना सेक्टर -113 क्षेत्र के सेक्टर 77 स्थित प्रतीक विस्टीरिया सोसाइटी में रहने वाले एक व्यक्ति ने मानसिक तनाव के चलते बीती रात को जहरीला पदार्थ खा लिया। उन्हें अत्यंत गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। थाना सेक्टर- 113 के प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि सुशांत कुमार सेन पुत्र विश्वनाथ सेन (79 वर्ष) निवासी प्रतीक विस्टीरिया सोसायटी सेक्टर 77 ने बीती रात को मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर जहरीला पदार्थ खा लिया। उन्हें उपचार के लिए यथार्थ अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक अपनी बेटी के साथ रहते थे। उनकी एक ही संतान है। उन्होंने बताया कि पुलिस आत्महत्या के कारण का पता लग रही है।

अकीदत के साथ अदा हुई अलविदा जुमे की नमाज सूरजपुर की मस्जिद में उमड़ी नमाजियों की भीड़

ग्रेटर नोएडा। रमजान के पाक महीने के आखिरी शुक्रवार को अलविदा जुमा की नमाज सूरजपुर स्थित मस्जिद में अकीदत और शांतिपूर्ण माहौल में अदा की गई। नमाज के दौरान बड़ी संख्या में नमाजी मस्जिद में जुटे और अल्लाह की बारगाह में सिर झुकाकर इबादत की। नमाजियों ने अमन-चैन, खुशहाली और आपसी भाईचारे के लिए विशेष दुआ मांगी।

दोपहर 12 बजे से ही मस्जिद परिसर और आसपास के क्षेत्रों में नमाजियों का आना शुरू हो गया था। नमाज से पहले इमाम ने रमजान के महत्व, रोजे की बरकत और इंसानियत के संदेश पर तकरीर करते हुए लोगों से आपसी सौहार्द बनाए रखने और जरूरतमंदों की मदद करने की अपील की। उन्होंने कहा कि रमजान का महीना सब्र, त्याग और इंसानियत का पैगाम देता है। अलविदा जुमा की नमाज के अवसर पर स्थानीय प्रशासन और पुलिस भी सतर्क नजर आई। मस्जिद और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे ताकि नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। पुलिसकर्मी लगातार क्षेत्र में गश्त करते रहे और व्यवस्था बनाए रखी। नमाज अदा करने के बाद नमाजियों ने एक-दूसरे को रमजान की मुबारकबाद दी और देश में शांति, सद्भाव और तरक्की की दुआ की। नमाज के बाद लोग अपने-अपने घरों को लौट गए। पूरे कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में शांति और सौहार्द का माहौल बना रहा।

सेक्टर-8 जामा मस्जिद में अलविदा की नमाज पर उमड़ी भीड़, दो चरणों में अदा की गई नमाज

नोएडा। रमजान के आखिरी जुम्मे यानी अलविदा की नमाज के अवसर पर सेक्टर-8 स्थित जामा मस्जिद में बड़ी संख्या में नमाजी पहुंचे। सुबह से ही मस्जिद परिसर में लोगों की भीड़ उमड़ने लगी और कुछ ही समय में मस्जिद पूरी तरह भर गई। भारी भीड़ को देखते हुए नमाज की व्यवस्था दो चरणों में की गई, ताकि सभी श्रद्धालु इबादत कर सकें। मस्जिद के भीतर एक साथ लगभग 12 हजार से अधिक लोगों ने नमाज अदा की। परिसर भर जाने के बाद सैकड़ों लोग अपनी बारी का इंतजार करते हुए मस्जिद के बाहर खड़े नजर आए। नमाजियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रबंधन ने दूसरी शिफ्ट में भी नमाज अदा कराने का निर्णय लिया। जानकारी के अनुसार पहली शिफ्ट के बाद दूसरी शिफ्ट में दोपहर करीब दो बजे नमाज अदा की गई, जिससे बाहर इंतजार कर रहे लोगों को भी इबादत का अवसर मिल सके। मस्जिद के बाहर सड़कों और आसपास के क्षेत्रों में भी बड़ी संख्या में लोग नमाज पढ़ते दिखाई दिए। रमजान के आखिरी जुम्मे की नमाज को लेकर लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला। नमाज के दौरान शहर और देश में अमन-चैन, तरक्की और भाईचारे की दुआ की गई। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को रमजान की मुबारकबाद भी दी। प्रशासन और मस्जिद प्रबंधन की ओर से भीड़ को देखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं, जिससे नमाज शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

निर्माणाधीन मकान की दीवार गिरने से एक महिला की मौत, तीन घायल

नोएडा। थाना जेवर के ग्राम रामेहर में गुरुवार की रात एक निर्माणाधीन मकान की दीवार गिरने से पांच लोग दब गए। इस हादसे मेंएक महिला की मौत हो गई है। दीवार में घटिया सामग्री प्रयोग करने का आरोप लगाते हुए थाना जेवर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया गया ग्राम राममेहर निवासी रवींद्र छोकर के अपने प्लाट पर दीवार निर्माण कर रहे थे। आरोप है कि प्लाट के निर्माण में खराब ईट तथा मिट्टी से चिनाई करवा रहे थे।

पीड़ित के अनुसार उन लोगों ने मना किया तो आरोपित नहीं माना। पीड़ित के अनुसार खराब ईट व मिट्टी से चिनाई के चलते 12 मार्च की शाम को दीवार अचानक गिर गई, जिससे मौके पर मौजूद रमेश की पत्नी रानी, हरिश्चन्द्र की पत्नी अनीता, हरभजन तथा रविंद्र छोंकर की पत्नी शशि मलबे में दब गए। लोगों की मदद से मलबे से घायलों को निकाल कर अस्पताल पहुंचाया गया। उपचार के दौरान अनीता की मौत हो गई। थाना जेवर के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को रमेश पुत्र लक्ष्मण निवासी जनपद ललितपुर की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच की जा रही है।

बताया जा रहा है कि जेवर क्षेत्र में निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए जमीन अधिग्रहण किया जा रहा है। इसका फायदा उठाकर कुछ लोग कच्ची दीवारों बनाने के लिए घटिया ईंट का प्रयोग कर घर बना रहे हैं, ताकि जब उनकी जमीन अधिग्रहण में आए तो घर तोड़ने के एवज मे करोड़ का मुआवजा मिल सके। इसी वजह से इस क्षेत्र में अब तक इस तरह की कई घटनाएं हो चुकी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले तीन गिरफ्तार

नोएडा। बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी दिलवाने के नाम पर ठगी करने वाले गैंग के तीन बदमाशों को थाना बिसरख पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। इन बदमाशों ने दर्जनों लोगों के साथ ठगी करने की बात स्वीकार की है।

पुलिस उपायुक्त द्वितीय शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि थाना बिसरख पुलिस ने बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी दिलवाने के नाम पर सीधे-साधे लोगों को अपने जाल में फंसाकर ठगी करने वाले विकास डाबरपुर त्रिलोकी चंद (34) निवासी जनपद हिसार हरियाणा, अरुण कुमार (28) पुत्र ललन सिंह निवासी दिव्यापुर जनपद औरैया तथा वैभव कुमार(23) पुत्र सुरेंद्र निवासी जनपद बुलंदशहर को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इनके पास से पुलिस ने कम्प्यूटर का एक सीपीयू, एक मॉनिटर, कीबोर्ड, एक माउस, छह कूटरचित जॉब ऑफर लेटर(विभिन्न कंपनियों के) तथा घटना में प्रयुक्त तीन मोबाइल फोन और सात हजार 600 रूपये नकद बरामद किया है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करने के इच्छुक लोगों को ये लोग अपने जाल में फंसाते हैं। इंटरव्यू आदि के नाम पर पैसा लेकर धोखाधड़ी करते हैं। उन्होंने बताया कि इन बदमाशों ने दर्जन लोगों के साथ ठगी करनी स्वीकार की है।

बारात में न्योछावर के पैसे को लेकर दो पक्षों में मारपीट, 18 वर्षीय युवक की हत्या

नोएडा। बारात चढ़त के दौरान दूल्हे के ऊपर न्योछावर हुए पैसे को लूटने को लेकर हुए विवाद में सात युवकों ने एक युवक के साथ मारपीट कर उसके ऊपर धारदार हथियार से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां पर डॉक्टर ने उसको मृत घोषित कर दिया।

घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने इस मामले में कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। इस घटना में शामिल दो बाल अपचारी हैं। सहायक पुलिस आयुक्त स्वतंत्र कुमार सिंह ने शुक्रवार को बताया कि बीती रात को झुंडपुरा गांव में एक बारात आई थी। बारात चढ़त के दौरान बाराती दूल्हे और बैंड बाजा वालों पर पैसों की न्योछावर कर रहे थे। पैसे लूटने के लिए कुछ बच्चे वहां पर आए थे। न्योछावर पैसे लूटने को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ तथा रौनक, राज , आशीष, रिजवान आदि ने श्याम पुत्र संतोष उम्र 18 वर्ष के साथ मारपीट की तथा उसे चाकू मार दिया।

गंभीर हालत में उसे उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। उन्होंने बताया कि उपचार के दौरान उसकी शुक्रवार को मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में ले लिया है। एसीपी ने बताया कि उक्त घटना में शामिल दो आरोपी बाल भी अपचारी हैं।

बंद मकानों की रेकी कर चोरी करने वाले दो गिरफ्तार ज्वैलरी और हथियार बरामद, तीसरा आरोपी फरार

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के बीटा-2 कोतवाली पुलिस ने बंद पड़े मकानों को निशाना बनाकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले शातिर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को शुक्रवार को नट मडैया गोल चक्कर के गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हाथरस निवासी अवधेश सिंह हाल पता सेक्टर-2 पतवारी और कैथल हरियाणा निवासी बलराज के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की ज्वेलरी, नकदी, कार, अवैध हथियार कारतूस बरामद किया है। गिरोह का एक अन्य सदस्य अभी फरार है जिसकी तलाश में पुलिस टीम दबिश दे रही है। डीसीपी ग्रेटर नोएडा प्रवीन रंजन सिंह ने बाताया कि गिरफ्तार आरोपियों ने अपने तीसरे साथी बंटी के साथ मिलकर 28 फरवरी की रात सेक्टर-36 क्षेत्र में एक बंद पड़े मकान को निशाना बनाया था। आरोपियों ने पहले मकान की रेकी की और फिर देर रात खिड़की काटकर घर में घुस गए थे। इसके बाद घर में रखी कीमती ज्वैलरी, नकदी, घड़ियां और लैपटॉप समेत लाखों रुपये का सामान चोरी कर लिया था।

वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों आरोपी चोरी का सामान वैगनआर कार में रखकर मौके से फरार हो गए थे। घटना के संबंध में पीड़ित की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश में लगी हुई थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी चोरी का सामान बेचने के लिए कहीं जाने की फिराक में हैं। पुलिस टीम घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को दबोच लिया।

आरोपी चोरी के दौरान या पकड़े जाने की स्थिति में हथियार का इस्तेमाल करने की योजना रखते थे। आरोपियों के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि उन्होंने पहले भी इस तरह की कितनी वारदातों को अंजाम दिया है। आरोपी शातिर चोर हैं। अक्सर दिन में शहर में घूमकर बंद पड़े मकानों की रेकी करते हैं। जिन मकानों में ताला लगा होता था या पुराना अखबार गेट के पास पड़ा होता था तो आरोपी समझ जाते थे कि घर में लोग नहीं है। इसके बाद रात के समय मौका देखकर गैस कटर, आरी आदि से खिड़की या दरवाजा काटकर घर के अंदर प्रवेश करते हैं। कीमती सामान चोरी कर लेते हैं।

चोरी का सामान बेचकर जो रकम मिलती है उसे आपस में बांट लेते हैं। सेक्टर-36 की घटना में भी तीनों आरोपियों ने करीब 35 हजार रुपये नकद और लाखों रुपये की ज्वैलरी चोरी की थी। नकदी को तीनों ने आपस में बांट लिया था जबकि ज्वैलरी और अन्य सामान को साइट-4 क्षेत्र में छिपा दिया था। आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत भी मामला दर्ज किया जा रहा है।

एलपीजी के व्यावसायिक उपयोग और कालाबाजारी पर प्रशासन की सख्ती, जनपद में चला सघन जांच अभियान

गौतमबुद्धनगर। जनपद में एलपीजी गैस के व्यावसायिक उपयोग, कालाबाजारी, अवैध रिफिलिंग और अन्य अनियमित गतिविधियों पर नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने सघन जांच अभियान शुरू किया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर उपजिलाधिकारी और नगर मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में बांट-माप विभाग, खाद्य एवं रसद विभाग तथा ऑयल कंपनियों के अधिकारियों की संयुक्त टीमें गठित कर विभिन्न स्थानों पर जांच की जा रही है। इसी क्रम में गठित टीमों ने तहसील दादरी क्षेत्र में संचालित कई गैस एजेंसियों का निरीक्षण किया।

जांच के दौरान मैसर्स साहिल एचपी गैस सर्विस, मैसर्स बालाजी एचपी गैस सर्विस, ग्राम पटाड़ी नगर नोएडा स्थित मैसर्स भारद्वाज भारत गैस, ग्राम पृथला में मैसर्स राजेश भारत गैस, सेक्टर-122 नोएडा में मेहुल भारत गैस, ग्राम हरौला में मैसर्स कोमल भारत गैस, सेक्टर-20 ग्रेटर नोएडा स्थित मैसर्स सिद्ध लक्ष्मी एचपी गैस एजेंसी, ग्राम लक्सर में मैसर्स सांई विनय भारत गैस एजेंसी तथा तहसील जेवर के ग्राम दयानंतपुर में मोनू एचपी गैस एजेंसी और ग्राम थोरा में मैसर्स प्रबुद्ध भारत गैस एजेंसी का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सभी एजेंसियों पर एलपीजी गैस सिलेंडर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध पाए गए। साथ ही पैसो, वेट और मेजरमेंट से संबंधित लाइसेंस भी सही पाए गए। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि अन्य टीमों द्वारा तहसील दादरी क्षेत्र में मैसर्स शर्मा फिलिंग स्टेशन, बिसहाड़ा तथा मैसर्स नोएडा ऑटोमोबाइल, सेक्टर-14 नोएडा की भी जांच की गई। जांच के दौरान पेट्रोल पंपों पर पैसो, वेट और मेजरमेंट से संबंधित लाइसेंस सही पाए गए। इसके अलावा वहां स्वच्छ पेयजल, हवा और शौचालय की व्यवस्था भी साफ-सुथरी पाई गई तथा पेट्रोल और डीजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध मिला। जिला पूर्ति अधिकारी स्मृति गौतम ने बताया कि जनपद में इस प्रकार का जांच अभियान निरंतर चलाया जाएगा, ताकि एलपीजी और पेट्रोलियम उत्पादों के वितरण में पारदर्शिता और नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

उन्होंने यह भी बताया कि 13 मार्च 2026 को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म "एक्स" पर एक वीडियो प्रसारित किया गया, जिसमें महिलाओं के गैस सिलेंडर के लिए कतार में खड़े होने का दावा करते हुए इसे गौतमबुद्धनगर से जोड़ा गया। तथ्यात्मक जांच में पाया गया कि वीडियो के बैकग्राउंड में इंडेन गैस एजेंसी, क्रॉसिंग रिपब्लिक, डुंडाहेड़ा, गाजियाबाद का पता प्रदर्शित हो रहा है, जिससे स्पष्ट है कि यह वीडियो गौतमबुद्धनगर से संबंधित नहीं है। प्रशासन ने जनपदवासियों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित भ्रामक खबरों पर ध्यान न दें।

यमुना को स्वच्छ और निर्मल बनाने के लिए मिशन मोड पर काम जारी : सीएम

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यमुना को स्वच्छ बनाने के लिए ड्रेन की सफाई का काम मिशन मोड में चल रहा है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को हरी झंडी दिखाकर बड़ुसराय पुल और पंखा रोड ड्रेन में नई अम्फीबियस मशीनें तैनात की हैं। उन्होंने कहा कि इन मशीनों से ड्रेनों की डी-सिल्टिंग, कचरा हटाने और जलकुंभी की सफाई का काम तेजी और प्रभावी तरीके से किया जाएगा। इससे पानी की निकासी व्यवस्था बेहतर होगी और बरसात में जलभराव की समस्या कम करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर दिल्ली जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद सहित संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने बताया कि नजफगढ़ ड्रेन दिल्ली का सबसे बड़ा ड्रेन है और दिल्ली के कुल नालों से निकलने वाली लगभग 75 प्रतिशत सिल्ट इसी ड्रेन के माध्यम से आती है। उन्होंने कहा कि वर्षों से जमा हुई भारी मात्रा में सिल्ट को निकालना पहले बेहद कठिन कार्य माना जाता था लेकिन अब इन आधुनिक फ्लोटिंग मशीनों के माध्यम से यह संभव हो पा रहा है। ये मशीनें ड्रेन के बीचोंबीच जाकर सिल्ट को निकाल सकती हैं, जिससे लंबे समय से जमा गाद को हटाने की प्रक्रिया तेज होगी। उन्होंने बताया कि अनुमान के मुताबिक नजफगढ़ ड्रेन में करीब एक करोड़ मीट्रिक टन से अधिक सिल्ट जमा है। इसे हटाने के लिए इन आधुनिक अम्फीबियस मशीनों का उपयोग किया जा रहा है। दिल्ली सरकार ने और अम्फीबियस मशीनें खरीदने का भी निर्णय किया है। इनमें से एक मशीन पहले ही लाई जा चुकी थी, जबकि आज चार नई मशीनों का जलावतरण किया गया। बाकी मशीनें जल्द ही विभाग को सौंप दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार अब केवल मॉनसून से पहले ही नहीं बल्कि पूरे वर्ष नालों की डी-सिल्टिंग का कार्य कर रही है ताकि बारिश के समय जलभराव की समस्या को प्रभावी रूप से रोका जा सके। मुख्यमंत्री कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दिल्ली सरकार यमुना और उनसे जुड़ी बड़ी ड्रेनों की सफाई के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ आधुनिक मशीनों का उपयोग कर रही है ताकि यमुना को अविरल और निर्मल बनाया जा सके। साथ ही दिल्ली को स्वच्छ, सुरक्षित और जलभराव से मुक्त बनाया जा सके। इस अवसर पर मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि नजफगढ़ ड्रेन और उससे जुड़ी प्रमुख ड्रेनों की सफाई के लिए अत्याधुनिक अम्फीबियस मशीनों का उपयोग दिल्ली सरकार के लिए महत्वपूर्ण कदम है। इन आधुनिक मशीनों की मदद से वर्षों से जमा सिल्ट, कचरा और जलकुंभी को प्रभावी ढंग से हटाया जा सकेगा, जिससे ड्रेनों की जल प्रवाह क्षमता बढ़ेगी और बरसात के दौरान जलभराव की समस्या को कम करने में सहायता मिलेगी। मंत्री आशीष सूद ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान किया गया एक प्रमुख वादा पंखा रोड का सौंदर्यकरण, उसे स्वच्छ और कूड़ा-मुक्त बनाना तथा पंखा रोड ड्रेन की वर्षों से लंबित सफाई कराना था। लंबे समय से इस ड्रेन की सफाई नहीं होने के कारण बरसात के मौसम में स्थानीय निवासियों को जलभराव और दुर्गंध जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता था। सरकार बनने के बाद से ही इस वादे को पूरा करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। ड्रेन की नई दीवारों का निर्माण कराया गया है और पहले 100 दिनों के भीतर ड्रेन की प्रारंभिक सफाई और एक हिस्से का सौंदर्यीकरण कार्य पूरा किया गया। एम्फीबियस एक्सकेवेटर मशीनों की विशेषताएं सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग की ओर से ये मशीनें बड़ुसराय पुल, काकरोला, द्वारका, उत्तम नगर समेत कई स्थानों पर तैनात की गई हैं। सरकार का लक्ष्य इन मशीनों से साल भर ड्रेनों की डी-सिल्टिंग जारी रहे, ताकि मानसून में जलभराव की समस्या को नियंत्रित किया जा सके। शॉर्ट बूम एम्फीबियस मशीन की लागत लगभग 1.27 करोड़ रुपये है। इसमें करीब 6 मीटर लंबा बूम, 0.20 घन मीटर बकेट क्षमता और 65 एचपी इंजन है। यह मशीन 5 मीटर चौड़े संकरे ड्रेन में भी चल सकती है और ड्रेन के अंदर ही काम करने में सक्षम है।

दिल्ली के उपराज्यपाल ने राष्ट्रपति से की मुलाकात

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। तरणजीत सिंह संधू ने एक्स पोस्ट में बताया कि आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात करके उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। उन्होंने राष्ट्रपति के प्रोत्साहन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। संधू ने कहा कि राष्ट्रपति भवन के प्रसिद्ध अमृत उद्यान की भी सैर की और वसंत ऋतु के फूलों का आनंद ले रहे दिल्लीवासियों से मिलकर अच्छा लगा। इसके अलावा उपराज्यपाल ने आज दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा से लोक निवास में मुलाकात की। इस दौरान सुरक्षा, कानून व्यवस्था, साइबर अपराध और उभरते अपराधपरागत मुद्दों से संबंधित चुनौतियों की समीक्षा की और नवीन दृष्टिकोणों सहित समाधानों पर चर्चा की।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति ने LPG सिलेंडर के वास्ते सरकार को पत्र लिखा

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति (डीएसजीएमसी) ने शुक्रवार को पेट्रोलियम मंत्री से एलपीजी सिलेंडरों की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मांगी ताकि लंगर (सामुदायिक रसोई) सेवा निर्बाध रूप से जारी रह सके। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी को लिखे पत्र में डीएसजीएमसी ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण गुरुद्वारों में लंगर सेवा प्रभावित हुई है क्योंकि गैस एजेंसियों द्वारा एलपीजी की आपूर्ति 'रोक दी गई' है। डीएसजीएमसी के एक पदाधिकारी ने कहा कि बड़े गुरद्वारों में पाइपलाइन के जरिए प्राकृतिक गैस की आपूर्ति तो है, लेकिन छोटे गुरुद्वारों में लंगर की रसोई चलाने के लिए एलपीजी सिलेंडरों पर निर्भरता है। डीएसजीएमसी दिल्ली सिख गुरुद्वारा अधिनियम, 1971 के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय है, जो सिखों के धार्मिक मामलों और शहर के गुरुद्वारों के रखरखाव की देखरेख करता है। यह संस्था राजधानी में शीशगंज साहिब, रकाबगंज और बंगला साहिब समेत कई बड़े गुरुद्वारों के प्रबंधन की देखरेख करती है, जहां प्रतिदिन हजारों लोगों को भोजन कराया जाता है।

पिंक बस टिकट अब भी महिलाओं के लिए मान्य, पिंक सहेली कार्ड बनवाने की कोई जल्दी नहीं: डीटीसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय राजधानी में महिलाएं नया 'पिंक कार्ड' मिलने तक पिंक टिकटों का उपयोग करके डीटीसी बसों में यात्रा करना जारी रख सकती हैं। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) ने एक बयान में दिल्ली की महिलाओं से 'पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड' लेने के लिए परेशान न होने या जल्दबाजी न करने का आग्रह किया है। बयान में कहा गया है, ''यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि महिलाएं अपने पास 'पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड' उपलब्ध न होने के बावजूद मौजूदा प्रणाली के अनुसार 'पिंक पेपर टिकट' का उपयोग करके डीटीसी बसों में यात्रा करना जारी रख सकती हैं।'' इसमें यह भी कहा गया है कि यह आकलन करने के बाद कि अधिकतर पात्र महिलाओं को 'पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड' मिल चुके हैं, और दिल्ली सरकार धीरे-धीरे कागजी टिकट प्रणाली को समाप्त करके पूरी तरह कार्ड आधारित प्रणाली लागू करेगी। डीटीसी ने कहा, ''महिला यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे परेशान न हों या जल्दबाजी न करें, क्योंकि कार्ड वितरण समय के साथ सुचारू रूप से जारी रहेगा और सभी पात्र महिलाएं आसानी से अपना कार्ड प्राप्त कर सकेंगी।'' दिल्ली की पात्र महिलाएं राष्ट्रीय राजधानी में डीटीसी द्वारा स्थापित 50 नामित काउंटरों से 'पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड' निःशुल्क प्राप्त कर सकती हैं। दिल्ली सरकार ने दो मार्च को 'पिंक सहेली कार्ड' पहल शुरू की, जिसने केंद्र की ''एक राष्ट्र, एक कार्ड'' पहल के तहत पहले से चली आ रही 'पिंक पेपर प्रणाली' को 'पिंक एनसीएमसी कार्ड' के माध्यम से प्रतिस्थापित कर दिया, जिससे मुफ्त यात्रा केवल दिल्ली निवासियों तक ही सीमित हो गई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा था कि इस कार्ड से दिल्ली-निवासी महिलाओं को डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा, एक ही स्मार्ट कार्ड के माध्यम से मेट्रो, रीजनल रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम (आरआरटीएस) और अन्य सार्वजनिक परिवहन सेवाओं का सुगम सशुल्क उपयोग संभव हो सकेगा।

मणिपुरी महिला पर हमला मामले में दिल्ली पुलिस आयुक्त को एनएचआरसी का नोटिस

नई दिल्ली। मणिपुर की एक महिला पर दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में लड़कों के एक समूह की ओर से कथित हमले का राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने बताया कि मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 8 मार्च को यह घटना तब घटी जब पीड़िता (मणिपुर की एक महिला) इलाके के एक पार्क में अपनी दोस्त के साथ तस्वीरें ले रही थी। उसी दौरान दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में लड़कों के एक समूह ने पीड़िता पर अश्लील और नस्लीय टिप्पणी की जिसका उन्होंने विरोध किया लेकिन लड़कों के समूह ने उस महिला पर शारीरिक हमला कर दिया। आयोग ने रिपोर्ट में पीड़ित के स्वास्थ्य की स्थिति और जांच की प्रगति का विवरण भी शामिल करने को कहा है।

दिल्ली: फर्जी मेडिकल वीजा का इस्तेमाल कर देश में रह रहे 10 बांग्लादेशी हिरासत में

नई दिल्ली। दिल्ली के बाहरी इलाके में एक विशेष सत्यापन अभियान के दौरान फर्जी मेडिकल वीजा का इस्तेमाल करके भारत में अवैध रूप से रह रहे 10 बांग्लादेशियों को हिरासत में लिया गया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी अपने वीजा की अवधि समाप्त होने के बावजूद दिल्ली में रह रहे थे और भारत में रहने के लिए वैध यात्रा दस्तावेज न होने के बावजूद वे बुल्गारिया के लिए मेडिकल वीजा प्राप्त करने का कथित तौर पर प्रयास कर रहे थे। पुलिस को विशिष्ट जानकारी मिली थी कि कुछ संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिक अपने वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी उस क्षेत्र में रह रहे थे। पीरागढ़ी चौक में छह मार्च को उनकी मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। संदिग्धों ने सत्यापन से बचने के लिए कथित तौर पर भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस टीम ने उन्हें रोक लिया। पूछताछ करने पर इनमें से कोई भी व्यक्ति वैध पहचान पत्र या यात्रा दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। बाद में सत्यापन से पता चला कि उनके पासपोर्ट और वीजा की वैध तिथि समाप्त हो चुकी थी, जिससे देश में उनका अवैध रूप से रहना सिद्ध हो गया। पुलिस ने बताया कि कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने और पूछताछ के बाद सभी 10 लोगों को हिरासत में ले लिया गया। विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) को सूचित कर दिया गया और गिरफ्तार व्यक्तियों के खिलाफ निर्वासन की कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

दिल्ली पुलिस पर हाई कोर्ट सख्त, कहा- जांच ही करते रहेंगे, तो आरोपों पर सुनवाई कब होगी?

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली पुलिस से पूछा है कि वो आम आदमी पार्टी नेता नरेश बाल्यान ने मकोका के मामले की जांच कब तक पूरी करेंगे। अगर कोई आरोपित दो साल से जेल में है, तो आप जांच में तेजी लाइए। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की पीठ ने नरेश बाल्यान की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए ये टिप्पणी की। मामले की अगली सुनवाई 30 मार्च को होगी। सुनवाई के दौरान नरेश बाल्यान के वकील रेबेका जॉन ने कहा कि याचिकाकर्ता के आवाज के नमूने ले लिए गए हैं, लेकिन किसी दूसरे के आवाज के नमूने नहीं लिए गए। तब कोर्ट ने पूछा कि क्या आरोप तय हो गए हैं। अभी तक आरोप तय क्यों नहीं हुए। तब दिल्ली पुलिस के वकील अमित प्रसाद ने कहा कि अभी आगे की जांच जारी है। तब कोर्ट ने कहा कि आरोपित ने अपराध किया है या नहीं ये ट्रायल से पता चलेगा, लेकिन आरोप तो तय होना चाहिए। 2024 में आरोपित को गिरफ्तार किया गया और अब 2026 आ गया। अगर दिल्ली पुलिस जांच ही करती रहेगी तो आरोप तय करने पर सुनवाई कैसे होगी। नरेश बाल्यान ने दिल्ली उच्च न्यायालय से कहा हैकि उसके खिलाफ मकोका का मामला बनता ही नहीं है क्योंकि वो आपराधिक गतिविधियों में लगातार लिप्त नहीं रहा है। इसके पहले नरेश बाल्यान के वकील एन. हरिहरन ने कहा था कि याचिकाकर्ता के खिलाफ मकोका चलाने के लिए पुख्ता साक्ष्य नहीं है। उन्होंने कहा था कि मकोका 15 एफआईआर के आधार पर किया गया है जो कपिल सांगवान और उसके गैंग के सदस्यों के खिलाफ दर्ज किए गए। उन्होंने कहा था कि नरेश बाल्यान का कपिल सांगवान और उसके गैंग से कोई संबंध नहीं है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 25 जून, 2025 को नरेश बाल्यान की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया था। नरेश बाल्यान ने इसके पहले भी उच्च न्यायालय में जमानत याचिका दायर की थी लेकिन इस मामले में चार्जशीट दाखिल होने के बाद जमानत याचिका उच्च न्यायालय से वापस ले ली गई थी। उसके बाद बाल्यान ने राऊज एवेन्यू कोर्ट में जमानत याचिका दायर किया था। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 27 मई, 2025 को बाल्यान की जमानत याचिका खारिज कर दिया था। उसके बाद बाल्यान ने उच्च न्यायालय में जमानत याचिका दायर किया है।

उत्तर रेलवे
खुली निविदा सूचना
पत्र संख्या. 128-डब्लू/280/निविदा सूचना/25-26/डब्लू-I (NIT-50-51) दिनांक: 13.03.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल अभियंता/प्रथम, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्य के लिए ई-टेंडर के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम	1. सहायक मंडल अभियंता/करनाल के तहत एसएसई/पी. वे/केकेडीई सेक्शन में विभिन्न यार्ड में टर्नआउट का मानकीकरण और ट्रैक अवसंरचना का रखरखाव। 2. सहायक मंडल अभियंता/पानीपत के अंतर्गत जींद-पानीपत सेक्शन के 14 नंबर LHS (जैसे कि LC-5, 6, 17, 18, 19, 29) और DUK सेक्शन के (LC 19, 20B, 23, 28, 46, 54, 56 और 60) में कवर शेड का प्रावधान, जल निकासी (ड्रेनेज) में सुधार और अन्य सहायक कार्य।
अनुमानित लागत	1. रु. 1,35,16,942.97/- 2. रु. 13,88,57,784/-
धरोहर राशि	1. रु. 2,17,600/- 2. रु. 8,44,300/- बयाना राशि केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के रूप में होनी चाहिए। नोट : एफ.डी.आर या डिमांड ड्राफ्ट के रूप में ई.एम.डी स्वीकार नहीं की जाएगी। रेलवे बोर्ड के पत्र संख्या 2015/सीई-I/सीटी/5/1 दिनांक 31.08.2016 के अनुसार आई.आर.ई.पी.एस. पर आमंत्रित निविदा के लिए।
समापन अवधि	1. 09 महीने 2. 12 महीने
ई-निविदा खोलने और प्रस्तुत करने के लिए दिनांक और समय	07.04.2026 को 15:00 बजे तक प्रस्तुत करने तथा निविदा खुलने का समय दिनांक 07.04.2026 को 15:00 बजे।
निविदा की वेब साइट जहां निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है	www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
सामान प्रकार के कार्य	1. किसी भी प्रकार का ट्रैक कार्य। 2. ट्रैक काम के अलावा कोई भी सिविल कार्य।

नोट :- शपथ पत्र संलग्नक XXIV अनिवार्य रूप के रूप में निविदा शर्तों के साथ संलग्न नए प्रारूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। और सभी संलग्न दस्तावेज निविदाकर्ता द्वारा स्वयं सत्यापित किया जाना चाहिए। 859/26
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना

कार्य का नाम	दिल्ली मंडल के हजरत निजामुद्दीन डिपो के तहत, प्राइमरी-बेस्ड शताब्दी/ तेजस/ शताब्दी-टाइप/ राजधानी/ दुरंतो/ गतिमान/ AC/ एक्सप्रेस ट्रेनों में, वॉशिंग लाइन/ सिक लाइन पर रखरखाव कार्यों के दौरान और ऑन-बोर्ड इलेक्ट्रिकल एस्कॉर्टिंग ड्यूटी के दौरान, AC कोचों के ताजी हवा और रिटर्न एयर फिल्टर, AC ग्रिल और कूलिंग/ कंडेंसर कॉइल की सफाई का कार्य तीन साल की अवधि के लिए
निविदा संख्या	30-विद्युत-10 टी-कोचिंग-2025-26
कार्य का अनुमानित लागत	₹12,18,74,697.01 / निविदा फार्म का मूल्य 0.00
कार्यालय का पता	वरि. मण्डल विद्युत अभियंता/ कोचिंग, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली
बयाना राशि	₹ 7,59,400/- / निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि व समय 07.04.2026 15.00 बजे तक / कार्य समाप्ति की अवधि 36 महीने
निविदा खोलने की तिथि व समय	07.04.2026 15.01 बजे
वेबसाइट व नोटिस बोर्ड	www.ireps.gov.in व वरि. मण्डल विद्युत अभियंता/ कोचिंग/ दिल्ली

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 865/2026

उत्तम नगर घटना को लेकर सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई

37 लाख रुपये का संदिग्ध बैंक खाता फ्रीज

नई दिल्ली। उत्तम नगर में हुई हालिया तरुण कुमार की हत्या की घटना को लेकर सोशल मीडिया पर भ्रामक और भड़काऊ सामग्री फैलाने वालों के खिलाफ द्वारका जिला पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने ऐसे कई सोशल मीडिया खातों की पहचान कर उन्हें हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, साथ ही संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जा रही है।

द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने शुक्रवार को बताया कि घटना को लेकर कुछ लोग सोशल मीडिया पर अपुष्ट और भ्रामक जानकारी फैलाकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे थे। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से समन्वय कर ऐसे खातों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने अब तक आईटी एक्ट की धारा 79(3)(बी) के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर 14 और इंस्टाग्राम पर 8 कंटेंट हटाने के अनुरोध भेजे हैं, ताकि भड़काऊ और भ्रामक सामग्री को तुरंत हटाया जा सके। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि कुछ लोग घटना से जुड़ी झूठी कहानियां फैलाकर लोगों से आर्थिक मदद जुटाने की कोशिश कर रहे थे। 10 मार्च को एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एक क्यूआर कोड के जरिए आम लोगों से आर्थिक सहायता मांगी जा रही थी। पुलिस जांच में पता चला कि पिछले दो दिनों में इस संदिग्ध बैंक खाते में करीब 37 लाख रुपये जमा हो चुके हैं। संभावित धोखाधड़ी को देखते हुए संबंधित बैंक शाखा प्रबंधक को खाते में सभी प्रकार के लेन-देन रोकने और जमा राशि को फ्रीज करने के निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने कहा कि सोशल मीडिया पर अपुष्ट या गलत जानकारी फैलाना कानूनन दंडनीय अपराध है। ऐसे मामलों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी खबर या संदेश को बिना सत्यापन के साझा न करें, ताकि अफवाहों से सार्वजनिक शांति प्रभावित न हो।

एलपीजी की कमी के बीच दिल्ली पुलिस ने लोगों को साइबर धोखाधड़ी से सावधान किया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने नागरिकों को संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने या गैस एजेंसियों के नाम पर आने वाले अज्ञात नंबरों से कॉल पर भरोसा करने को लेकर सावधान किया है। पुलिस ने चेतावनी दी कि साइबर ठग एलपीजी की उपलब्धता को लेकर फैली घबराहट का फायदा उठाकर लोगों को ठग सकते हैं और उनकी मेहनत की कमाई हड़प सकते हैं।

पुलिस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि एलपीजी सिलेंडर की कमी के बारे में अफवाहों का इस्तेमाल साइबर अपराधी फर्जी लिंक और कॉल के जरिए भोले-भाले उपयोगकर्ताओं को फंसाने के लिए कर रहे हैं। इस परामर्श के साथ एक छोटा जागरूकता वीडियो भी जारी किया गया है, जिसमें बताया गया था कि कैसे ठग दहशत फैलाते हैं और लोगों को गैस बुकिंग या आपूर्ति की पुष्टि से संबंधित लिंक पर क्लिक करने के लिए उकसाते हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, ₹एक बार अगर उपयोगकर्ता ऐसे लिंक पर क्लिक करते हैं, तो उनके व्यक्तिगत या बैंकिंग विवरण से समझौता हो सकता है, जिससे वित्तीय नुकसान हो सकता है।₹ अधिकारी ने कहा कि एलपीजी की कमी की अफवाहों का इस्तेमाल साइबर जालसाज लोगों को लुभाने के लिए कर रहे हैं। अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना दें।

उन्होंने बताया कि ठग गैस एजेंसियों के प्रतिनिधि बनकर भी लोगों को फोन कर सकते हैं और दावा कर सकते हैं कि सिलेंडर प्राप्त करने के लिए तत्काल सत्यापन या पंजीकरण आवश्यक है। इसके बाद पीड़ितों को मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से भेजे गए लिंक पर क्लिक करने या फाइलें डाउनलोड करने के लिए कहा जाता है। पुलिस ने विशेष रूप से लोगों को '.एपीके' एक्सटेंशन वाली फाइलों को खोलने या डाउनलोड करने से मना किया है, क्योंकि ये 'एंड्रॉइड एप्लिकेशन पैकेज' फाइलें हैं जो मोबाइल फोन पर दुर्भावनापूर्ण 'एप्लिकेशन इंस्टॉल' कर सकती हैं। पुलिस के अनुसार, इस तरह की फाइलें डिवाइस को असुरक्षित बना सकती हैं और साइबर अपराधियों को बैंकिंग विवरण, पासवर्ड और ओटीपी सहित संवेदनशील जानकारी तक पहुंच प्राप्त करने की अनुमति दे सकती हैं, जिससे अंततः वे खातों से पैसे निकाल सकते हैं।

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना

कार्य का नाम	दिल्ली मंडल के अंतर्गत आनंद विहार डिपो की प्राइमरी-बेस्ड शताब्दी/तेजस/ शताब्दी-टाइप/राजधानी/दुरंतो/गतिमान/AC/एक्सप्रेस ट्रेनों में, वॉशिंग लाइन/सिक लाइन पर रखरखाव कार्यों के दौरान और ऑन-बोर्ड इलेक्ट्रिकल एस्कॉर्टिंग ड्यूटी के समय, AC कोचों के ताज़ी हवा और रिटर्न एयर फिल्टर, AC ग्रिल तथा कूलिंग/कंडेंसर कॉइल्स की सफाई का कार्य, तीन वर्षों की अवधि के लिए।
निविदा संख्या	30-विद्युत-11टी-कोचिंग-2025-26
कार्य की अनुमानित लागत (रू0 में)	12,68,02,167.22/- रू0
निविदा फार्म का मूल्य	0.00/-
कार्यालय का पता	वरि0 मण्डल विद्युत अभियंता/कोचिंग, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली
बयाना राशि	7,84,000/- रू0
कार्य समाप्ति की अवधि	36 महीने
निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि व समय	08.04.2026 को 15:00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि व समय	08.04.2026 को 15:01 बजे
वेबसाइट व नोटिस बोर्ड	www.ireps.gov.in व वरि0 मण्डल विद्युत अभियंता/ कोचिंग/दिल्ली

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 864/2026

संपादकीय

खाड़ी में फंसा अमेरिका

पहले अपनी मनमानी टैरिफ नीति से सबको तंग करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने गैरजिम्मेदाराना रवैये से दुनिया के लिए और बड़ी मुसीबत बन गए हैं। ईरान की सैन्य शक्ति कुंद करने के बड़े-बड़े दावे करने वाले ट्रंप इजरायल और खाड़ी देशों में ईरान के जवाबी हमले नहीं रोक पा रहे हैं। उनका यह दावा भी थोथा ही दिखाई दे रहा है कि अमेरिका होर्मुज जल मार्ग से तेल व गैस टैंकरों का निकलना सुनिश्चित करेगा। अब प्रतीक होता है कि विश्व के साथ अमेरिका को भी इसकी भारी कीमत चुकानी होगी। क्योंकि ईरान और इजरायल के बीच छिड़ी भीषण जंग ने दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। इस युद्ध को जल्द खत्म करने का दावा करने वाले ट्रंप अब खुद फारस की खाड़ी के चक्रव्यूह में फंसते नजर आ रहे हैं। यह सवाल भी अब मुखर हो रहा है कि क्या ट्रंप बैकडोर से ईरान के साथ कोई डील कर सकते हैं? बीते एक पखवाड़े से मिडिल ईस्ट की धरती आग उगल रही है। सत्ता संभालते ही ट्रंप ईरान पर चौतरफा दबाव बनाना शुरू कर दिया था। लेकिन अब वह खुद ऐसे दोराहे पर खड़े हैं। एक तरफ इजरायल की जिद है तो दूसरी ओर विश्व की अर्थव्यवस्था को तबाह करती तेल की कीमतें। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट बंद कर शिपिंग पर अटैक, इजरायल और गल्फ स्टेट्स पर मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहा है। तेल प्रति बैरल 100 डॉलर पार कर गया है। ट्रंप कह रहे हैं कि युद्ध तब खत्म होगा जब वे चाहेंगे, लेकिन ईरान भी झुकने को तैयार नहीं है। ईरान ने युद्ध खत्म करने के लिए तीन शर्तें रखी हैं। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके ये शर्तें बताईं। राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने लिखा है कि रूस और पाकिस्तान के नेताओं से बात करके मैंने इलाके में शांति के लिए ईरान की प्रतिबद्धता दोहराई है। इसराइल और अमेरिका द्वारा शुरू किए गए इस युद्ध को ख़त्म करने का एक ही रास्ता है वह है ईरान के वैध अधिकारों को मान्यता देना, युद्ध के नुक़सान की भरपाई और भविष्य में फिर से हमला न करने की ठोस अंतरराष्ट्रीय गारंटी देना। ईरान के वैध अधिकारों में उसकी परमाणु शक्ति की मान्यता भी शामिल होगी। क्योंकि वह पहले ही कह चुका है कि उसके पास परमाणु कार्यक्रम का शांतिपूर्ण अधिकार है। यह पहली बार है जब ईरान के किसी बड़े नेता ने युद्ध ख़त्म करने के लिए भरपाई की मांग की है। युद्ध रोकने की पेशकश के बाद ट्रंप यही दावा कर रहे हैं कि ईरान बिना किसी शर्त के सीजफायर करे। यहां यह बड़ा सवाल है कि इस युद्ध की बड़ी क़ीमत अमेरिका के साथ खाड़ी देशों को भी चुकानी पड़ रही है। अब देखने वाली बात यह है कि ट्रंप का इक्का किसके हाथ में है।

इच्छामृत्यु पर सुप्रीम कोर्ट का संवेदनशील फैसला

इच्छामृत्यु का प्रश्न लंबे समय से समाज, चिकित्सा विज्ञान और कानून के बीच बहस का विषय रहा है। सामान्य शब्दों में इच्छामृत्यु का अर्थ है ऐसी परिस्थिति में व्यक्ति को मृत्यु की अनुमति देना, जब उसका जीवन असाध्य बीमारी या असहनीय पीड़ा से घिरा हो और उसके स्वस्थ होने की कोई संभावना न हो। भारतीय कानून में सक्रिय इच्छामृत्यु अर्थात किसी को जानबूझकर मृत्यु देना स्वीकार्य नहीं है, लेकिन निष्क्रिय इच्छामृत्यु अर्थात जीवन-रक्षक उपचार हटाने की अनुमति कुछ विशेष परिस्थितियों में दी जा सकती है। हरीश राणा का मामला इसी निष्क्रिय इच्छामृत्यु से जुड़ा हुआ है। वे पिछले तेरह वर्षों से ऐसी अवस्था में हैं जिसे चिकित्सा विज्ञान में स्थायी वनस्पतिक अवस्था कहा जाता है। इस स्थिति में व्यक्ति जीवित तो रहता है, परंतु उसके मस्तिष्क की चेतन क्रियाएं लगभग समाप्त हो जाती हैं। वह स्वयं निर्णय लेने, बोलने या सामान्य प्रतिक्रिया देने में सक्षम नहीं होता। ऐसे रोगियों का जीवन प्रायः कृत्रिम उपकरणों और निरंतर चिकित्सकीय देखभाल पर निर्भर रहता है। किसी भी परिवार के लिए यह स्थिति अत्यंत पीड़ादायक होती है।

- डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत की न्याय व्यवस्था केवल कानून की व्याख्या करने वाली संस्था भर नहीं है, बल्कि वह समाज के नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं को दिशा देने वाली महत्वपूर्ण व्यवस्था भी है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया द्वारा गाजियाबाद के 32 वर्षीय हरीश राणा के मामले में दिया गया निर्णय इसी मानवीय दृष्टिकोण का सशक्त उदाहरण है। पिछले तेरह वर्षों से स्थायी वनस्पतिक अवस्था में जीवन व्यतीत कर रहे हरीश राणा के मामले में अदालत ने उनके परिजनों को जीवन-रक्षक चिकित्सा उपकरण हटाने की अनुमति प्रदान की। यह निर्णय केवल एक कानूनी आदेश नहीं, बल्कि मानव जीवन की गरिमा, पीड़ा और नैतिक दायित्वों के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास भी है।

इस मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति पर्दिवाला और न्यायमूर्ति विस्वनाथं की पीठ ने जिस संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण का परिचय दिया, वह भारतीय न्याय व्यवस्था की गरिमा को दर्शाता है। विशेष रूप से निर्णय सुनाते समय न्यायमूर्ति पारदीवाला का भावुक होना इस बात का संकेत है कि न्यायालय केवल विधिक तर्कों के आधार पर नहीं चलता, बल्कि वह मानवीय पीड़ा को भी गहराई से समझने का प्रयास करता है।

इच्छामृत्यु का प्रश्न लंबे समय से समाज, चिकित्सा विज्ञान और कानून के बीच बहस का विषय रहा है। सामान्य शब्दों में इच्छामृत्यु का अर्थ है ऐसी परिस्थिति में व्यक्ति को मृत्यु की अनुमति देना, जब उसका जीवन असाध्य बीमारी या असहनीय पीड़ा से घिरा हो और उसके स्वस्थ होने की कोई संभावना न हो। भारतीय कानून में सक्रिय इच्छामृत्यु अर्थात किसी को जानबूझकर मृत्यु देना स्वीकार्य नहीं है, लेकिन निष्क्रिय इच्छामृत्यु अर्थात जीवन-रक्षक उपचार हटाने की अनुमति कुछ विशेष परिस्थितियों में दी जा सकती है। हरीश राणा का मामला इसी निष्क्रिय इच्छामृत्यु से जुड़ा हुआ है। वे पिछले तेरह वर्षों से ऐसी अवस्था में हैं जिसे चिकित्सा विज्ञान में स्थायी वनस्पतिक अवस्था कहा जाता है। इस स्थिति में व्यक्ति जीवित तो रहता है, परंतु उसके मस्तिष्क की चेतन क्रियाएं लगभग समाप्त हो जाती हैं। वह स्वयं निर्णय लेने, बोलने या सामान्य प्रतिक्रिया देने में सक्षम नहीं होता। ऐसे रोगियों का जीवन प्रायः कृत्रिम उपकरणों और निरंतर चिकित्सकीय देखभाल पर निर्भर रहता है।

किसी भी परिवार के लिए यह स्थिति अत्यंत पीड़ादायक होती है। वर्षों तक अपने प्रियजन को अचेत अवस्था में देखना मानसिक और भावनात्मक रूप से अत्यंत कठिन अनुभव होता है। इसके साथ-साथ आर्थिक बोझ भी लगातार बढ़ता जाता है। इसलिए कई बार परिवार यह कठिन निर्णय लेने के लिए मजबूर हो जाता है कि क्या केवल मशीनों के सहारे जीवन बनाए रखना वास्तव में उचित है। यहीं से इच्छामृत्यु का नैतिक प्रश्न सामने आता है। एक ओर मानव जीवन को सर्वोच्च मूल्य माना जाता है और उसे हर परिस्थिति में बचाने का प्रयास किया जाता है। दूसरी ओर यह भी प्रश्न उठता है कि यदि जीवन केवल शारीरिक अस्तित्व तक सीमित रह जाए और उसमें चेतना, संवाद और मानवीय अनुभव समाप्त हो जाएं, तो क्या उसे उसी प्रकार जीवन कहा जा सकता है जैसा हम सामान्य रूप से समझते हैं। भारतीय न्यायपालिका ने समय-समय पर इन जटिल प्रश्नों पर संतुलित दृष्टिकोण अपनाने का प्रयास किया है। पहले भी अदालत यह स्पष्ट कर चुकी है कि व्यक्ति को गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार है। इसी संदर्भ में यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या व्यक्ति को गरिमा के साथ मृत्यु प्राप्त करने का अधिकार भी होना चाहिए। हालांकि इस विषय में अत्यधिक सावधानी बरतना आवश्यक है, ताकि इसका किसी भी प्रकार से दुरुपयोग न हो सके। इसी कारण भारत में निष्क्रिय इच्छामृत्यु के लिए कड़े नियम निर्धारित किए गए हैं। किसी भी व्यक्ति के मामले में जीवन-रक्षक उपचार हटाने का निर्णय केवल परिवार की इच्छा से नहीं लिया जा सकता। इसके लिए चिकित्सकों की विशेषज्ञ समिति, विस्तृत चिकित्सा परीक्षण और न्यायिक अनुमति जैसी कई प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। इन व्यवस्थाओं का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि निर्णय पूरी तरह मानवीय हित और चिकित्सकीय तथ्यों के आधार पर लिया जाए।

हरीश राणा के मामले में भी अदालत ने सभी पहलुओं पर गंभीरता से विचार करने के बाद ही यह निर्णय दिया। इस फैसले का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि यह समाज को यह सोचने का अवसर देता है कि जीवन की गरिमा का वास्तविक अर्थ क्या है। केवल शारीरिक अस्तित्व बनाए रखना ही जीवन का उद्देश्य नहीं हो सकता। जीवन में चेतना, संवाद, अनुभव और मानवीय संबंधों का भी उतना ही महत्व है। इसके साथ ही यह भी आवश्यक है कि इच्छामृत्यु जैसे विषय पर समाज में गंभीर और जिम्मेदार चर्चा हो। कुछ लोग इसे मानवीय पीड़ा से मुक्ति का माध्यम मानते हैं, जबकि कुछ इसे जीवन के मूल्यों के विरुद्ध मानते हैं। इन दोनों दृष्टिकोणों के बीच संतुलन स्थापित करना ही कानून और समाज की सबसे बड़ी चुनौती है। भारत जैसे विविधतापूर्ण समाज में धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताएं भी इस विषय को प्रभावित करती हैं। अनेक परंपराओं में जीवन को ईश्वर का उपहार माना जाता है और उसकी समाप्ति को केवल प्राकृतिक प्रक्रिया के रूप में स्वीकार किया जाता है। इसलिए इच्छामृत्यु के प्रश्न पर लोगों की भावनाएं भी गहराई से जुड़ी होती हैं। फिर भी आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और बदलती सामाजिक परिस्थितियों ने इस विषय को नई दृष्टि से देखने की आवश्यकता उत्पन्न कर दी है। आज चिकित्सा तकनीक इतनी उन्नत हो चुकी है कि कई बार व्यक्ति को लंबे समय तक कृत्रिम रूप से जीवित रखा जा सकता है। ऐसे में यह प्रश्न और अधिक जटिल हो जाता है कि क्या हर परिस्थिति में जीवन को इसी प्रकार बनाए रखना उचित है।

इस संदर्भ में अदालत का यह निर्णय संतुलित दृष्टिकोण का उदाहरण प्रस्तुत करता है। यह फैसला न केवल कानून की मर्यादा का पालन करता है, बल्कि मानवीय संवेदना को भी सम्मान देता है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि जीवन की गरिमा और मानवीय पीड़ा दोनों को ध्यान में रखते हुए ही ऐसे मामलों में निर्णय लिया जाना चाहिए। यह निर्णय स्वास्थ्य व्यवस्था और नीति-निर्माताओं के लिए भी एक महत्वपूर्ण संकेत है। भविष्य में ऐसे मामलों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि चिकित्सा तकनीक लगातार विकसित हो रही है। इसलिए आवश्यक है कि स्पष्ट दिशानिर्देश और पारदर्शी प्रक्रियाएं विकसित की जाएं, ताकि मरीजों और उनके परिवारों को अनिश्चितता और मानसिक तनाव का सामना न करना पड़े। इसके साथ-साथ समाज को भी यह समझना होगा कि इच्छामृत्यु का प्रश्न केवल कानून का विषय नहीं है। यह मानवीय संवेदना, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी से जुड़ा हुआ मुद्दा है। ऐसे मामलों में सहानुभूति, संवेदनशीलता और विवेक के साथ विचार करना आवश्यक है। अंततः, हरीश राणा का मामला हमें यह याद दिलाता है कि न्याय केवल नियमों और प्रावधानों तक सीमित नहीं है। न्याय का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य की गरिमा की रक्षा करना है। जब न्याय व्यवस्था मानवीय पीड़ा को समझते हुए निर्णय लेती है, तब वह केवल कानून लागू नहीं करती, बल्कि समाज को एक नैतिक दिशा भी प्रदान करती है। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी मानवीय दृष्टिकोण का प्रतीक है। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि जीवन की रक्षा के साथ-साथ उसकी गरिमा को भी उतना ही महत्व दिया जाना चाहिए। अंततः एक संवेदनशील समाज वही होता है जो अपने सबसे कठिन नैतिक प्रश्नों का सामना साहस, विवेक और मानवता के साथ कर सके।

एलपीजी की जगह चूल्हा एक सस्ता विकल्प

संजय गोस्वामी

12 मार्च 2026 की स्थिति के अनुसार, ईरान-इजरायल-अमेरिका के बीच फारस की खाड़ी में गंभीर तनाव और संघर्ष जारी है, जो 12वें दिन में प्रवेश कर चुका है। ईरान द्वारा समर्थित गुटों ने अमेरिकी और खाड़ी देशों के तेल टैंकरों पर हमले किए हैं, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति पर संकट खड़ा हो गया है। युद्ध की स्थिति का सीधा असर होटल मालिकों पर पड़ने वाला है।

संभावना है कि कमर्शियल सिलेंडर का स्टॉक खत्म होने पर होटल को जल्द ही बंद करना पड़ सकता है। कमर्शियल सिलेंडर की कमी पूरे देश में एलपीजी का संकट है एलपीजी सप्लाई में रुकावट का असर अब इंडिया इंक पर भी पड़ रहा है, कुछ कंपनियों ने कुकिंग गैस की कमी के कारण कैफेटेरिया और फूड सर्विस पर असर पड़ने की वजह से ऑपरेशनल दिक्कतों की रिपोर्ट दी है। साथ ही, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे शहरों में कमर्शियल एलपीजी सप्लाई में रुकावट की खबरें आई हैं, रेस्टोरेंट और खाने की जगहों को सिलेंडर खरीदने में मुश्किल हो रही है और कुछ मामलों में मेन्यू कम कर दिए गए हैं या ऑपरेशन कम कर दिए गए हैं। कई राज्यों में पुलिस ने भी एलपीजी सप्लाई को लेकर अफवाहों के बीच मॉनिटरिंग बढ़ा दी है, और गलत जानकारी, जमाखोरी और सिलेंडर की चोरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। हालांकि, सरकार का कहना है कि पूरे देश में एलपीजी का कोई संकट नहीं है और सप्लाई को स्थिर करने के लिए रिफाइनरी का आउटपुट लगभग 10% बढ़ा दिया गया है।

एलपीजी सप्लाई, सरकार की प्रतिक्रिया और भारतीय शहरों की स्थिति पर लेटेस्ट अपडेट के लिए इस लाइव ब्लॉग को फॉलो करें। एलपीजी सप्लाई की कमी से पूरे भारत में होटल, रेस्टोरेंट पर असर है युद्ध के इस दौर में, गोबर से बनी बायोगैस या गोबर के उपले एलपीजी का एक आत्मनिर्भर और किफायती विकल्प प्रदान करते हैं।

चूल्हा एक ऐसा उपकरण है जो स्थानीय ताप या खाना पकाने के लिए उपकरण के अंदर या ऊपर ऊष्मा उत्पन्न करता है। चूल्हे कई प्रकार के ईंधनों से चल सकते हैं, जैसे प्राकृतिक गैस, बिजली, गैसोलीन, लकड़ी और कोयला। चूल्हे के निर्माण के लिए सबसे आम सामग्री कच्चा लोहा, इस्पात और पत्थर हैं। चूल्हे और गोबर के उपले भारतीय ग्रामीण जीवन, संस्कृति और परंपरा के अभिन्न अंग हैं। मिट्टी के चूल्हे और गोबर के उपले न केवल सस्ते और आसानी से उपलब्ध ईंधन हैं, बल्कि आत्मीयता और पवित्रता का भाव भी रखते हैं। आत्मनिर्भरता, सादगी और पर्यावरण मित्रता के प्रतीक के रूप में ग्रामीण जीवन का प्रतिनिधित्व करते हैं। स्वास्थ्य पर प्रभावः पुराने धुंआ उत्सर्जित करने वाले चूल्हे महिलाओं और बच्चों में श्वसन संबंधी बीमारियों का कारण बन सकते हैं, इसलिए लोग अब धुआं रहित चूल्हों की ओर बढ़ रहे हैं। आत्मनिर्भरता की कहानीः कई परिवार बायोगैस के माध्यम से आत्मनिर्भर हो गए हैं, वे गोबर से 8-10 घंटे तक चूल्हे को जलाते हैं। चूल्हा और गोइठा का संबंध केवल भोजन पकाने से नहीं, बल्कि एक जीवनशैली से है जो हमें प्रकृति के करीब रखती है।

यह हमारे पूर्वजों की विरासत और सादगी का प्रतीक है, जिसे आज भी ग्रामीण भारत में संजोकर रखा गया है। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिला में आज भी लोग पुराने और पारंपरिक ईंधनों का उपयोग न सिर्फ अपने दैनिक जीवन में कर रहे हैं, बल्कि परंपराओं के अनुसार धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताओं को भी पूरी श्रद्धा के साथ निभा रहे हैं. होली के पर्व से पहले गांवों में घरों में पाले गए मवेशियों के गोबर से गोईठा बनाया जाता है.मान्यता है कि गोबर शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक होता है, यही कारण है कि होली के दिनों में गोईठा की मांग बढ़ जाती है. कई लोग इसे बनाकर बेचते हैं, वहीं जिनके पास गोईठा उपलब्ध नहीं होता, वे गांवों से इसे लाकर होलिका दहन करते हैं. यह परंपरा न केवल धार्मिक आस्था से जुड़ी हुई है, बल्कि ग्रामीण संस्कृति और सदियों पुरानी जीवनशैली की गहराई को भी दर्शाती है. चूल्हा और गोइठाः ग्रामीण जीवन के प्रतीक पारंपरिक संस्कृतिः गाँव में मिट्टी के चूल्हे पर बना खाना - विशेषकर रोटी, दाल और बाटी - स्वाद और सौंधी महक के लिए जाना जाता है।

इंसानियत का पैगाम देती है 'ईद-उल-फितर'

ईद-उल-अजहा या ईदे-अजहा मुस्लिम भाइयों का एक महत्वपूर्ण त्योहार है। ईद तीन तरह की होती है। ईदे-अजहा के अलावा दो और ईद हैं- ईद उल फितर या रमजान ईद और दूसरी ईद को मिलादुन्नबी कहते हैं। पर ईदुल फित्र हो, ईदे अजहा या ईदे मिलाद, तीनों ईद भाइचारे, त्याग, समर्पण और इंसानियत का पैगाम देती हैं। तीनों ईदें सबको मिलजुलकर रहने और भलाई करने की सीख देती हैं। ईद-उल-अजहा को कई नामों से जाना जाता है। ईदे-अजहा को नमकीन ईद भी कहा जाता है और इसी ईद को ईदे करबां भी कहा जाता है। नमकीन ईद कहे जाने का अर्थ यह है कि इसे नमकीन पकवानों के साथ मनाया जाता है। जबकि कुरबानी से जुड़ी होने की वजह से इसे ईदे कुरबां भी कहा जाता है। बच्चे आमतौर पर इसे बकरा ईद भी कहते हैं। अमूमन यह माना जाता है कि इस ईद का संबंध बकरे से है। वास्तव में, 'बकर' का अर्थ है बड़ा जानवर, जो जिबह किया जाता है। ईदे कुरबां का अर्थ है बलिदान की भावना। अरबी में इकर्बश नजदीकी या बहुत पास रहने को कहते हैं। अर्थात इस अवसर पर भगवान पुरुष के करीब हो जाता है। कुरबानी उस पशु के जिबह करने को कहते हैं, जिसे इस हज के महीने में दसवीं, ग्यारहवीं, बारहवीं और तेरहवीं तारीखों को खुदा को खुश करने के लिए हज की रस्म अदा करते समय जिबह (बलि) किया जाता है।

आज का इतिहास

महत्वपूर्ण घटनाचक्र

1931 - पहली बोलती भारतीय फिल्म 'आलमआरा' का प्रदर्शन हुआ।
1939 - स्लोवाकिया ने आजादी की घोषणा की।
1987 - फिजी में रक्तहीन सैनिक क्रान्ति के बाद सरकार का तख्ता पलटा गया।
1989 - दक्षिण अफ्रीकी नेशनल पार्टी द्वारा पीटर बोथा के स्थान पर एफ़.डब्ल्यू.डी. क्लार्क को राष्ट्रपति बनाया गया।
1990 - श्रीमती अर्था पास्कल ट्राविल हैती की प्रथम महिला राष्ट्रपति बनीं।
1998 - सोनिया गांधी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष बनीं।
1999 - स्पेन का कार्लोस मोया विश्व का नंबर एक टेनिस खिलाड़ी बना।
2000 - मोहम्मद मुस्तफ़ा मेरो सीरिया के नये प्रधानमंत्री बने।
2001 - संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरान पर प्रतिबंध की अवधि बढ़ाई, रातुविता मोमेदोनू फिजी के कार्यवाहक प्रधानमंत्री नियुक्त।
2002 - सर्बिया व यूगोस्लाविया में संधि पर हस्ताक्षरर, सेना गाजा पट्टी में घुसी।
2004 - चीन में निजी सम्पत्ति को क़ानूनी मान्यता प्रदान करने के लिए संविधान में संशोधन।
2007 - कारगिल और स्कार्दु के बीच भारत-पाकिस्तान में बस सेवा प्रारम्भ करने पर सहमति।
2008 - विक्ट्री समूह ने ब्रिटेन की प्रसिद्ध स्विचगियर निर्माता कंपनी 'क्रेग एण्ड डेरिकार' का अधिग्रहण किया।
2008 - पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के सह-चेयरमैन आसिफ़ अली जरदारी को पाकिस्तान में घूंसखोरी के आरोपों से बरी किया गया।
2013 - शी चिनफिंग ने चीन की बागडोर संभाली।
2016 - रूस ने सीरिया से अपनी सेनाएं वापस बुलाने की घोषणा की।

जन्म

1879 - अलबर्ट आइंस्टाइन - प्रसिद्ध वैज्ञानिक।
1913 - एस. के. पोट्टेक्काट्ट - प्रसिद्ध मलयालम साहित्यकार।

निधन

1986 - के. सी. अब्राहम - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ थे।
1997 - वीरेन्द्र पाटिल - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ राजनीतिज्ञों में से एक थे।

तलाक के मुहाने पर क्यों पहुंच रहे हैं वैवाहिक रिश्ते

मनोज कुमार अग्रवाल

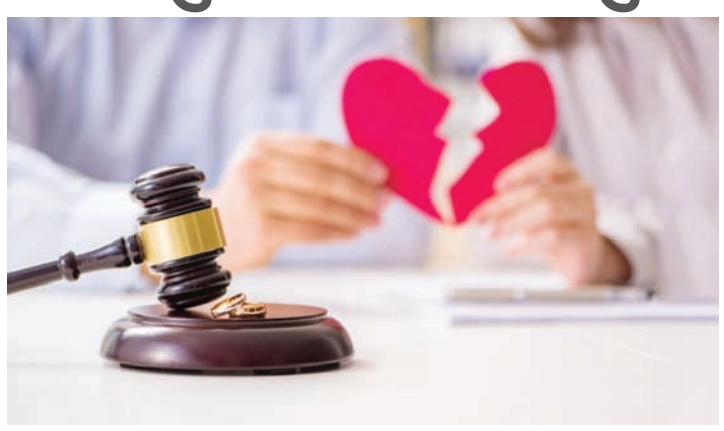

आपको पता हो कि दुनिया के दूसरे पश्चिमी देशों की तर्ज पर अब भारत में भी वैवाहिक संबंधों में टूटन का ग्राफ बढ़ रहा है हाल ही में सामने आए एक सर्वेक्षण में, यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि जीवन साथी की निगरानी के लिये बड़ी संख्या में डिटेक्टिव एजेंसियों की मदद ली जा रही है। तमाम विवाहेत्तर संबंधों की पड़ताल से बड़ी संख्या में शक सही निकल रहे हैं। हालांकि, इस सर्वे के दायरे और उसकी विश्वसनीयता की कसौटी के प्रश्न सामने हैं, लेकिन यह एक कड़वी हकीकत है कि हमारी पारिवारिक संस्था में अविश्वास की सेंध लग रही है। खाओ-पियो मौज करो की पश्चिमी संस्कृति के अंधानुकरण से वैवाहिक संस्था की शुचिता को आंच आई है। समाज में अलगाव, तलाक व हिंसक प्रतिशोध के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। रही सही कसर कथित सोशल मीडिया ने पूरी कर दी है, जिसने हमारे समाज में वर्जित माने जाने वाले भदेस विषयों को न्यू नॉर्मल बना दिया है। दरअसल, हाल के वर्षों में भारतीय समाज तेजी से संक्रमणकालीन दौर में जा पहुंचा है। कभी जिस रिश्ते को सिरे चढ़ाते वक्त जन्म-जन्मांतर साथ निभाने का वायदा किया जाता था, आज उसी जीवन साथी की निगरानी के लिये निजी डिटेक्टिव एजेंसियों की मदद ली जा रही है। यह दुखद ही है कि जिन जीवन मूल्यों, संयम व शुचिता के रिश्तों के लिये भारत दुनिया में जाना जाता था, वहां आज यौन स्वच्छंदता व विवाहेत्तर संबंधों का दायरा बढ़ रहा है। एक समय था कि भारतीय संयुक्त परिवार की छांव में संयमित व मर्यादित व्यवहार करते थे। बड़ों का अनुशासन मर्यादा की रक्षा करता था। कामकाज का स्वरूप और स्थानीय रोजगार भी जीवन व्यवहार को संतुलित व संयमित करते थे। लेकिन हमारी कार्य संस्कृति में बदलाव व देश-विदेश में कामकाज के लिये बाहर जाने के बाद व्यक्ति स्वच्छंद व्यवहार करने लगा। यही वजह है कि विदेश में रहने वाले पति या पत्नी के व्यवहार की पड़ताल के लिये डिटेक्टिव एजेंसियों की मदद लेने के मामले लगातार उजागर हुए हैं। जिसके बाद मुकदमेबाजी, अलगाव व टकराव की खबरें सामने आने लगती हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार देश में साल 2000 से 2025 तक हुए तलाक के पीछे के अलग-अलग कारण रहे. पूरे देश में पति-पत्नी की आपसी सहमति से 2.5 से 3 लाख अर्जी कोर्ट में पहुंची. इसी तरह क्रूरता के आधार पर 1.8 से 2 लाख से ज्यादा जबकि विवाहेतर संबंध (पार्टनर के अलावा दूसरे से संबंध) की वजह से करीब 50 हजार से 60 हजार मामले तलाक के लिए पहुंचे.

इसी तरह छोड़ देने पर या रिश्ता तोड़ देने के लगभग 40 हजार से 50 हजार केस, सबसे आम वजह घरेलू हिंसा और दहेज उत्पीड़न के कारण 1.2 लाख से ज्यादा केस, लगातार झगड़े के कारण करीब एक लाख केस, यौन समस्याएं और नपुंसकता की वजह से देश भर में अनुमानित 15 से 20 हजार केस, मानसिक बीमारी के कारण करीब 15 हजार केस, धार्मिक या सांस्कृतिक अंतर के कारण 5 से 10 हजार, शादी से पहले धोखाधड़ी या गलत जानकारी देने के कारण 8 हजार से 12 हजार केस तलाक के लिए पहुंचेकभी-कभी शादीशुदा जिंदगी में लोग ऐसी उम्मीदें पाल लेते हैं जिनका हकीकत से वास्ता नहीं होता है या उन्हें पूरे करने की क्षमता न के बराबर होती है. ऐसे हालात में तालमेल की कमी से भी रिश्ते टूट जाते हैं. वहीं दूसरी ओर अरेंज मैरिज करने वाले कुछ केस में पति-पत्नी में इमोशनल जुड़ाव की कमी रह जाती है. इससे भी टकराव बढ़ता है. कई बार करियर की प्राथमिकताएं भी पारंपरिक भूमिकाओं से टकरा जाती हैं. कई बार पति-पत्नी का त्याग कर देना, विवाह पूर्व धोखाधड़ी, धार्मिक असमानता भी तलाक की वजह बन जाती है.

दरअसल, विगत में भारतीय समाज में व्यक्ति के सार्वजनिक व्यवहार को संयुक्त परिवार व समाज संयमित करता था। लेकिन धीरे-धीरे आर्थिक आत्मनिर्भरता के बाद लोगों ने बड़े-बुजर्गों व समाज के हस्तक्षेप को अस्वीकार करना शुरू कर दिया। विगत में हमारी फिल्मों व टीवी निर्माताओं ने दर्शकों की भीड़ जुटाने के लिये हमेशा असामान्य वैवाहिक रिश्तों को अपनी कथावस्तु बनाया। इन असामान्य रिश्तों को इस ग्लैमर के साथ पेश किया जाता रहा है कि कालांतर उसका प्रभाव समाज पर नजर आने लगा। आज तो विदेशी धरती से संचालित इंटरनेट व सोशल मीडिया ने तो असामान्य रिश्तों की पराकाष्ठा दर्शा दी। विडंबना यह रही है कि मीडिया ने भी ऐसी नकारात्मक प्रवृत्तियों को इतनी तरजीह दी कि समाज के एक तबके में असामान्य रिश्तों को सामान्य माना जाने लगा। एक हकीकत यह भी है कि देश पर तमाम विदेशी आक्रांताओं ने भारतीय संस्कृति को इतनी क्षति नहीं पहुंचाई होगी, जितनी इंटरनेट व सोशल मीडिया के माध्यम से परोसी जा रही अपसंस्कृति ने विकृतियां पैदा की। नई पीढ़ी ही नहीं, उम्र दराज लोग भी कामदेव के मोहपाश में बंधे वर्जनाओं को लांघने लगे हैं। सोशल मीडिया पर बालाओं के मोहपाश में बंधकर गांठ का धन गंवाने वालों में बुजुर्गों की संख्या भी कम नहीं है। निस्संदेह, विवाह एक पवित्र बंधन है। जिसका निर्वहन संयम, सहजता, सहयोग, धैर्य और त्याग से ही होता है। लगता है कहीं न कहीं नई पीढ़ी लगातार धैर्य खोती जा रही है। रिश्तों के दीर्घकालिक निर्वहन का मूलमंत्र यही है कि हम जीवन-साथी की छोटी-मोटी कमियों को नजरअंदाज करके सामंजस्य के साथ जीवन की गाड़ी को आगे बढ़ाएं। असामान्य रिश्तों का अल्पकालिक सुख भले ही लुभाता हो, मगर उसकी कीमत परिवार को लंबे समय तक चुकानी पड़ती है। जिसका नकारात्मक प्रभाव बच्चों के मन-मस्तिष्क पर भी घातक होता है। यह भी एक हकीकत है कि जब परिवार के विवाद घर की दहलीज लांघते हैं, तो इससे लाभ उठाने वाले पेशेवरों की पूरी बिरादरी मुस्तैद खड़ी होती है। निश्चित ही रिश्तों में छल की प्रवृत्ति भारत में मूल्यों वाली विवाह संस्था के लिये एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। इसका मुकाबला संयम, सहयोग, त्याग व समर्पण जैसे जीवन मूल्यों से ही संभव है। इसका समाधान कोर्ट-कचहरियों में तलाशने की कोशिश निरर्थक है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा आरंभ

बांग्लादेश सरकार से की हिंदुओं के संरक्षण की मांग

समालखा (हरियाणा)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा का शुक्रवार को सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाहक दत्तात्रेय होसबाले ने उद्घाटन किया। इस दौरान सरकार्यवाह की ओर से वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। संघ ने बांग्लादेश सरकार से एक बार फिर आग्रह किया कि वह अपने यहां हिंदुओं के अधिकारों का संरक्षण करे।

तीन दिवसीय यह बैठक हरियाणा के समालखा स्थित माधव सृष्टि परिसर में आयोजित की गई है। प्रतिनिधि सभा के प्रारंभ के बाद यहां सह सरकार्यवाह सीआर मुकुंद ने अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर के साथ पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। इस दौरान अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख नरेंद्र ठाकुर एवं प्रदीप जोशी सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। बैठक के शुरुआती सत्रों में दिवंगत हस्तियों को श्रद्धांजलि दी गई तथा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सरकार के प्रयासों से आए सुधार और मणिपुर में संघ के प्रयासों से आए सकारात्मक परिणामों का स्वागत किया गया। इसके अलावा बांग्लादेश सरकार से एक बार फिर आग्रह किया गया कि हिंदुओं के अधिकारों का वहां संरक्षण प्रदान करे। सीआर मुकुंद ने बताया कि सरकार्यवाह ने अपने प्रतिवेदन में यह जानकारी दी कि संघ के शताब्दी वर्ष में किए गए प्रयासों से 4 हजार स्थान पर 5 हजार से अधिक शाखाओं में वृद्धि हुई है।

गृह संपर्क अभियान के तहत संघ के कार्यकर्ता 10 करोड़ परिवारों तक पहुंचे हैं। तीन लाख से अधिक गांव में संघ के कार्यकर्ता गए हैं। केरल का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वहां संघ के कार्यकर्ता साम्यवादी विचारधारा, मुसलमानों और ईसाई परिवारों से भी मिले हैं। अकेले केरल में 55 हजार से अधिक मुस्लिम और 54 हजार से अधिक ईसाई परिवारों में संघ के कार्यकर्ता संघ और समाज से जुड़े विषय लेकर गए हैं। उन्होंने बताया कि शताब्दी वर्ष के नाते 36 हजार से अधिक स्थानों पर हिंदू सम्मेलन आयोजित किए गए हैं। इसमें अरुणाचल के एक दुर्गम क्षेत्र में आयोजित हिंदू सम्मेलन का उदाहरण उल्लेखनीय है। संघ के शताब्दी वर्ष में दो प्रकार के कार्यक्रमों की योजना की गई जिनमें एक संगठन विस्तार और दूसरा समाज की सज्जन शक्ति को सद्भाव, समरसता के लिए संगठित करने का उद्देश्य रखा गया।

मुकुंद ने बताया कि शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों की शुरुआत पिछले वर्ष दो अक्टूबर को नागपुर में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद एवं सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत के सान्निध्य में हुई। इससे एक दिन पूर्व भारत सरकार ने संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में संघ पर डाक टिकट और स्मारक सिक्का जारी किया था। वहीं इस दौरान सरसंघचालक भागवत की देश के चार महानगरों में व्याख्यान माला आयोजित की गई।

इसमें सरसंघचालक ने 20 से अधिक घंटे में एक हजार से अधिक प्रश्नों का उत्तर दिया। मुकुंद ने बताया कि बैठक की शुरुआत में दिवंगत हुए विभिन्न प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इनमें प्रमुख रूप से शिवकथाकार सतगुरुदास महाराज, पर्यावरणविद डॉ. माधव गाडगिल, पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री शिवराज पाटिल, पर्यावरण के लिए समर्पित सालुमरदा थिमक्का, पुरातत्वविद केएन दीक्षित, महाराष्ट्र के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, अभिनेता धर्मेंद्र, तमिल फिल्म निर्माता एवीएम सरवनन, मिजोरम के पूर्व राज्यपाल स्वराज कौशल, शिक्षाविद् विनय हेगड़े, कम्युनिस्ट नेता आर नल्लकणु, वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक प्रफुल्ल गोविंद बरुआ के नाम सम्मिलित हैं। सह सरकार्यवाह मुकुंद के अनुसार समाज हित के लिए सज्जन शक्ति को संगठित करने की दृष्टि से प्रमुख नागरिक संगोष्ठियों के आयोजन भी किए गए हैं।

दोनों प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के भीतर पंच परिवर्तन के व्यापक लक्ष्य के लिए वातावरण बन रहा है। इन परिवर्तनों में सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण चेतना, स्व एवं स्वदेशी के लिए गर्व, परिवार व्यवस्था के संरक्षण तथा नागरिक कर्तव्यों के लिए जागरुकता शामिल हैं। इन परिवर्तनों के माध्यम से ही देश और समाज को महान बनाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि संघ का उद्देश्य समाज की सज्जन शक्ति को एकत्रित कर राष्ट्र निर्माण के कार्य में आगे बढ़ना है। संघ का यह शताब्दी वर्ष कार्यक्रम अक्टूबर 2026 तक विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जारी रहेगा। इस अवसर पर मुकुंद ने कहा कि संघ विश्व में शांति एवं सबकी कुशलता की कामना करता है। सरकार्यवाह की ओर से आज प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार पिछले वर्ष 51,740 स्थानों पर 83,129 शाखाएं संचालित थीं जो अब बढ़कर 55,683 स्थानों पर 88,949 शाखाएं हो गयी हैं। इस प्रकार एक वर्ष में 3,943 नए स्थान जुड़े हैं और शाखाओं की संख्या 5,820 की वृद्धि हुई है। अब तक 46 में से 37 प्रांतों में हुए गृह सम्पर्क अभियान में 10 करोड़ घरों में सम्पर्क कर संघ के विषय में संवाद किया गया। केवल केरल राज्य का आंकड़ा लें तो 55 हजार मुस्लिम घरों में तथा 54 हजार ईसाई घरों में सम्पर्क किया गया। सभी परिवारों ने उत्साह के साथ स्वयंसेवकों का स्वागत-अभिनंदन किया।

भारत-ईरान के विदेश मंत्रियों के बीच बातचीत क्षेत्रीय हालात पर चर्चा

नई दिल्ली/तेहरान। भारत और ईरान के विदेश मंत्रियों के बीच टेलीफोन पर बातचीत हुई, जिसमें अमेरिका-इजराइल के साथ बढ़ते तनाव के बाद क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय हालात पर चर्चा की गई। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शुक्रवार को एक्स पर इसकी संक्षिप्त जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि गुरुवार रात ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची से एक और बातचीत हुई। द्विपक्षीय मामलों के साथ-साथ ब्रिक्स से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा हुई। ईरान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि विदेश मंत्री अराघची ने अपने भारतीय समकक्ष जयशंकर को अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ किए गए कथित आक्रामक कदमों तथा उनके क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में जानकारी दी। अराघची ने कहा कि ईरान की सरकार, जनता और सशस्त्र बल हमलों के खिलाफ अपने वैध आत्मरक्षा के अधिकार का इस्तेमाल करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। उन्होंने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से ईरान के खिलाफ सैन्य आक्रामकता की निंदा करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। ईरानी विदेश मंत्री ने बहुपक्षीय सहयोग के मंच के रूप में ब्रिक्स के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में इस मंच को क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता एवं सुरक्षा के समर्थन में रचनात्मक भूमिका निभानी चाहिए।

उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया में सैन्य संघर्ष के बाद से डॉ. जयशंकर और अराघची के बीच यह चौथी बातचीत है। पश्चिम एशिया में संकट के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य से व्यापारिक जहाजों की आवाजाही प्रभावित है।

मेघालय के गारो हिल्स में जनजातियों का अधिकार छीने जाने का आरोप लगाते हुए भाजपा ने निंदा की

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मेघालय के गारो हिल्स में गैर-जनजातीय षड्यंत्र के जरिये जनजातियों का अधिकार छीने जाने का आरोप लगाते हुए इसकी निंदा की है। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता कर कहा कि मेघालय में गारो हिल्स क्षेत्र में इन दिनों काफी हंगामा और दंगे की स्थिति है, बांग्लादेशी घुसपैठिए वहां बड़ी संख्या में आए हैं। उन्होंने कहा कि गारो डिस्ट्रिक्ट काउंसिल एक स्वायत्त संस्था है और भारत के संविधान के अंदर उसे प्रशासन का अधिकार प्राप्त है। उसका चुनाव होता है और सर्टिफाइड आदिवासी ही चुनाव लड़ते हैं।

उन्होंने कहा कि बंगाल और झारखंड के तर्ज पर बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों ने नया रास्ता अपनाया है। ये स्थायी आदिवासी बेटियों से शादी कर लेते हैं और बाद में तलाक लेकर अलग हो जाते हैं और उस आधार पर सर्टिफिकेट लेकर चुनाव लड़ते आ जाते हैं। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि ये पूरा जो मामला बढ़ा, उसका कारण है फुलबाड़ी के विधायक, जो अब तृणमूल कांग्रेस में हैं। उन्होंने जीएचएडीसी में पारित प्रस्ताव के बावजूद गारो हिल्स ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट काउंसिल के लिए 9 मार्च को अपना नामांकन दाखिल किया। वे आदिवासी नहीं हैं इसलिए इसका विरोध हुआ। उनके लोगों ने हमला किया और दंगे में दो लोग मारे गए। अब स्थिति तनावपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि भाजपा मेघालय के गारो हिल्स में गैर-जनजातीय षड्यंत्र के द्वारा जनजातियों का अधिकार छीने जाने की निंदा करती है। उल्लेखनीय है कि गारो हिल्स स्वायत्त जिला परिषद चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने को लेकर जनजातीय और गैर जनजातीय समुदाय के लोगों के बीच मंगलवार को झड़प हुई थी।

श्रमिकों की मौत के मामले में हरियाणा सरकार को एनएचआरसी का नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने हरियाणा के गुरुग्राम जिले के बिलासपुर क्षेत्र के पास एक निर्माणाधीन स्थल पर दीवार गिरने से सात श्रमिकों की मौत और तीन अन्य के घायल होने की घटना का स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव और गुरुग्राम के पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है।

आयोग ने बताया कि 10 मार्च 2026 को प्रकाशित एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 9 मार्च को हरियाणा के गुरुग्राम के बिलासपुर क्षेत्र के पास एक निर्माणाधीन स्थल पर दीवार गिरने से कम से कम सात श्रमिकों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। कम से कम 10 और श्रमिकों के मलबे के नीचे फंसे होने की आशंका है।

यह घटना उस स्थल पर हुई जहां एक आगामी आवासीय परियोजना के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण किया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस के साथ-साथ नागरिक सुरक्षा दल, बचावकर्मी, दमकलकर्मी और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल के कर्मियों सहित अन्य एजेंसियां मलबे के नीचे फंसे श्रमिकों की तलाश कर रही थीं। आयोग ने रिपोर्ट में घायल व्यक्तियों के स्वास्थ्य की स्थिति और मृतक आश्रितों एवं घायल व्यक्तियों के परिजनों को दिए गए मुआवजे का भी विवरण मांगा है।

पर्यटन उद्योग को राहत के लिए एलपीजी आपूर्ति बढ़ेगी : शेखावत

नई दिल्ली। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत और केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने शुक्रवार को केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी और पेट्रोलियम मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की वर्तमान स्थिति और उसके होटल तथा पर्यटन उद्योग पर पड़ रहे प्रभाव पर चर्चा की।

शेखावत ने कहा कि सरकार ने स्थिति को सामान्य करने के लिए त्वरित कदम उठाने का निर्णय लिया है। इसके तहत आज से ही व्यवसायों को उनकी औसत मासिक वाणिज्यिक गैस आवश्यकता का लगभग 20 प्रतिशत उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त होटलों और रेस्तरां को राहत देने के लिए गैस की अतिरिक्त आपूर्ति की व्यवस्था पर भी काम किया जा रहा है।

शेखावत ने कहा कि इस पूरे मामले पर लगातार नजर रखने के लिए पेट्रोलियम मंत्रालय और पर्यटन मंत्रालय के बीच समन्वय बनाए रखा जाएगा। उद्योग से जुड़े हितधारकों के साथ भी संवाद जारी रहेगा, ताकि उनकी समस्याओं का समय पर समाधान किया जा सके। शेखावत ने कहा कि वर्तमान दबाव वैश्विक स्तर पर चल रहे युद्ध के कारण उत्पन्न आपूर्ति व्यवधान का परिणाम है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने और साथ ही होटल-पर्यटन क्षेत्र को सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।

गांधीनगर आरआरयू रक्षा अटैशे के राउंडटेबल सम्मेलन में शामिल होंगे कई देश

गांधीनगर। गुजरात का गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) अपने लवाद स्थित मुख्य परिसर में रक्षा अटैशे के लिए पहला राउंडटेबल सम्मेलन करेगा।

आरआरयू ने अपने बयान में बताया कि दो दिवसीय 16–17 मार्च 2026 को गांधीनगर के लवाद स्थित मुख्य परिसर में होने वाला रक्षा अटैशे के लिए पहला राउंडटेबल सम्मेलन वैश्विक स्तर पर रणनीतिक और कूटनीतिक संवाद का मंच प्रदान करेगा, जिसमें विभिन्न देशों के रक्षा अटैशे प्रतिभाग करेंगे। इस दो दिवसीय सम्मेलन का उद्देश्य भारत के तेजी से विकसित हो रहे रक्षा उत्पादन और निर्यात तंत्र पर व्यापक विचार-विमर्श करना है। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण एक डिफेंस एग्जीबिशन होगा, जिसमें भारतीय रक्षा कंपनियों की विकसित अत्यधुनिक स्वदेशी तकनीकों का प्रदर्शन किया जाएगा। इस प्रदर्शनी के माध्यम से भारत की आधुनिक औद्योगिक क्षमता और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों के समाधान में उसकी भूमिका को प्रस्तुत किया जाएगा। इस सम्मेलन में लगभग 30 देशों के उच्चस्तरीय अधिकारी और राजनयिक प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। इसके साथ ही करीब 40 विशेष प्रदर्शक भी अपनी तकनीकों और उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे।

प्रदर्शनी में एयरोस्पेस और ड्रोन, गोला-बारूद, सिमुलेशन सिस्टम, आंतरिक सुरक्षा, सीमा सुरक्षा, हेल्थ टेक्नोलॉजी, एंटी-ड्रोन इंटरसेप्टर तथा साइबर सुरक्षा जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों की उन्नत तकनीकों को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके अलावा सैन्य उपकरणों के लिए महत्वपूर्ण पेंट्स और कोटिंग्स उद्योग की भागीदारी भी देखने को मिलेगी। यह सम्मेलन भारतीय रक्षा उद्योग को अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के सामने अपनी नवीनतम तकनीकों और क्षमताओं को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा। शैक्षणिक अनुसंधान और औद्योगिक नवाचार को जोड़ते हुए राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय भारत के प्रमुख राष्ट्रीय सुरक्षा और पुलिस विश्वविद्यालय के रूप में अपनी भूमिका को और मजबूत कर रहा है।

आयोजकों के अनुसार यह आयोजन भारत के रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने, नई साझेदारियों को प्रोत्साहित करने और द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सम्मेलन के दौरान लाइव डेमोंस्ट्रेशन और तकनीकी प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रतिभागियों को नवीनतम रक्षा तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

झारखंड में गंगा नदी में दो भाई डूबे

साहिबगंज/गुमला। झारखंड के साहिबगंज जिले में गंगा नदी में दो भाई डूब गए, जबकि गुमला जिले में एक कुएं से एक लड़के का शव बरामद किया गया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि डूबने की घटना राजमहल पुलिस थाना क्षेत्र के योगिचक सरकंडा गांव में हुई। उसने बताया कि वे बृहस्पतिवार दोपहर से लापता थे। दोनों भाइयों की उम्र आठ और नौ साल बताई जा रही है। राजमहल पुलिस थाना प्रभारी हुसनैन अंसारी ने बताया कि दोनों पीड़ितों के शव शुक्रवार को गोताखोरों की मदद से नदी से निकाले गए।

पुलिस ने बताया कि पीड़ितों का परिवार तीन साल बाद मुंबई से छुट्टियां मनाने गांव लौटा था। पोस्टमार्टम के बाद शवों को परिजनों को सौंप दिया गया। एक अलग घटना में, शुक्रवार को गुमला सदर पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत केसिपारा गांव में एक कुएं से आठ वर्षीय एक लड़के का शव बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि वह 10 मार्च से लापता था।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड ने दिए दो चूजों को जन्म, भूपेन्द्र यादव ने राजस्थान वन विभाग को दी बधाई

नई दिल्ली। ग्रेट इंडियन बस्टर्ड कैप्टिव ब्रीडिंग प्रोग्राम परियोजना में एक बड़ी कामयाबी मिली है। ग्रेट इंडियन बस्टर्ड ने दो चूजों को जन्म दिया है। इस परियोजना के चौथे वर्ष में दो नए मेहमानों के साथ इनकी संख्या 70 हो गई है। ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के दो चूजों के जन्म पर केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने राजस्थान वन विभाग को बधाई दी है।

भूपेन्द्र यादव ने एक्स पर तस्वीरों के साथ साझा किए गए अपने संदेश में कहा कि प्रोजेक्ट ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (जीआईबी) ने अपने कैप्टिव ब्रीडिंग प्रोग्राम के चौथे वर्ष में प्रवेश कर लिया है। इस सप्ताह राजस्थान के संरक्षण प्रजनन केंद्र में दो नए चूजों के जन्म के साथ, कैप्टिव अवस्था में पक्षियों की संख्या 70 हो गई है। यादव ने कहा कि प्रधानमंत्रीनरेन्द्र मोदी के पर्यावरण के प्रति संवेदनशील नेतृत्व में देश इस परियोजना को बड़ी सफलता दिलाने की दिशा में सही राह पर है। उन्होंने कहा कि ग्रेट इंडियन बस्टर्ड कैप्टिव ब्रीडिंग प्रोग्राम परियोजना के तहत हासिल की गई यह एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यादव ने कहा कि राजस्थान के कैप्टिव ब्रीडिंग केंद्र में इस सप्ताह दो चूजों का जन्म हुआ, जिनमें से एक प्राकृतिक प्रजनन से और दूसरा कृत्रिम गर्भाधान से पैदा हुआ है। यादव ने इसे प्रजाति के संरक्षण प्रयासों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि इस वर्ष पाले गए कुछ चूजों को जंगल में धीरे-धीरे छोड़ा जाएगा, जो इस परियोजना के लिए एक नई चुनौतीपूर्ण शुरुआत है।

उल्लेखनीय है कि ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (अर्डियोटिस नाइग्रिसेप्स) राजस्थान का राज्य पक्षी है। यह भारत का सबसे गंभीर रूप से संकटग्रस्त पक्षी माना जाता है। यह विश्व स्तर पर उड़ने वाले सबसे भारी पक्षियों में से एक है तथा यह मुख्य रूप से राजस्थान के थार रेगिस्तान में पाया जाता है। कम संख्या में यह गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में मिलते हैं।

ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने को लेकर विपक्ष की तरफ से दोनों सदनों में दिया गया प्रस्ताव

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए तृणमूल कांग्रेस की अगुवाई में विपक्ष ने शुक्रवार को लोकसभा और राज्यसभा में प्रस्ताव दिया गया है। यह प्रस्ताव 10 पन्नों का है जिसमें 7 कारण गिनाए गए हैं, जिनके आधार पर ज्ञानेश कुमार को हटाने का प्रस्ताव किया गया है। लोकसभा में दिए गए नोटिस में सदन के 130 सदस्यों और राज्यसभा में दिए गए नोटिस में 63 सदस्यों के हस्ताक्षर हैं। नियमों के कारण लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने नोटिस पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगत रॉय ने शुक्रवार को मकर द्वार पर मीडिया से बातचीत में बताया कि उनकी पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए संसद में कानून के अनुसार नोटिस दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने मतदाता सूची से नाम हटाकर जनता को मताधिकार से वंचित किया है, जिसके लिए विपक्षी गठबंधन के साथ मिल कर यह कार्यवाही की जा रही है। संविधान के अनुच्छेद 324 (5) में मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने का प्रावधान किया गया है। इस अनुच्छेद के मुताबिक मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने के लिए वैसी ही प्रक्रिया अपनाई जाएगी जो सुप्रीम कोर्ट के किसी जज को हटाने की होती है। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) को हटाने के लिए लोकसभा के 100 सदस्यों या राज्यसभा के 50 सदस्यों को अध्यक्ष या चेयरमैन को नोटिस देना होता है। नोटिस स्वीकार होने पर इसकी जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया जाता है। यदि समिति को आधार वैध लगते हैं तो प्रस्ताव पर विचार किया जाता है।

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने हरिद्वार में पांच मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र राष्ट्र को किया समर्पित

हरिद्वार। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने शुक्रवार को बीएचईएल हरिद्वार उपनगरी में नवनिर्मित 5 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र राष्ट्र को समर्पित किया। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री ने बीएचईएल की सीएफएफपी इकाई में 30 टन इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस का भी उद्घाटन भी किया। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री ने बीएचईएल हरिद्वार की निर्मित 53वीं एसआरजीएम नेवल गन की खेप को झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने कहा कि केंद्र सरकार स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बीएचईएल के हरित ऊर्जा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की। केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने बीएचईएल हरिद्वार की निर्मित 53वीं एसआरजीएम नेवल गन के संबंध में कहा कि यह नेवल गन रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है। यह नेवल गन 35 किलोमीटर के दायरे में, हवा और पानी में विभिन्न प्रकार के लक्ष्यों को भेद सकती है। केंद्रीय मंत्री ने बीएचईएल हरिद्वार की सीएफएफपी इकाई में 30 टन इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस का भी उद्घाटन किया। इस संबंध में मंत्री ने कहा कि बीएचईएल धा स्थापित यह फर्नेस, देश के भारी उद्योग क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने में उपयोगी साबित होगी। इस अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस से उच्च गुणवत्ता वाले स्टील के उत्पादन में मदद मिलेगी, जिससे बड़े आकार के कास्टिंग एवं फोर्जिंग की गुणवत्ता और दक्षता में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। केंद्रीय मंत्री ने अडानी पावर लिमिटेड के रायपुर प्रोजेक्ट की यूनिट-1 के लिए निर्मित 800 मेगावॉट क्षमता के टीजी स्टेटर को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कुमारस्वामी ने स्टेटर के सफल निर्माण एवं डिस्पैच को बीएचईएल की तकनीकी उत्कृष्टता का एक नायाब नमूना बताया।

बीएचईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के. सदाशिव मूर्ति ने कहा कि यह सोलर पावर प्लांट, हरित ऊर्जा के क्षेत्र में बीएचईएल का एक महत्वपूर्ण कदम है। हरिद्वार इकाई के कार्यपालक निदेशक रंजन कुमार ने बताया कि इस संयंत्र से प्राप्त बिजली, संस्थान की आंतरिक ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक होगी। कुमारस्वामी ने बीएचईएल कर्मचारियों के साथ भी विभिन्न विषयों पर संवाद किया। इन अवसरों पर महाप्रबंधकगण, वरिष्ठ अधिकारी, यूनियन एवं एसोसिएशन के प्रतिनिधि तथा बहुत बड़ी संख्या में कर्मचारी आदि उपस्थित थे।

शिक्षा के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करेगा यूपी: राजनाथ सिंह

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर प्रदेश आने वाले वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में नए मानदंड स्थापित करेगा क्योंकि राज्य का ध्यान ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करने पर केंद्रित है, जिसके तहत बच्चे सकारात्मक माहौल में पढ़ें और प्रगति करें। सिंह ने लखनऊ में स्थित सिटी मांटेसरी स्कूल गोल्फ सिटी परिसर के मुख्य भवन के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि यहां के शिक्षण संस्थान न केवल राज्य के छात्रों के लिए, बल्कि पूरे देश के छात्रों के लिए भी आकर्षण के केंद्र बनकर उभरेंगे।''

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत, अपने नाम के अनुरूप हमेशा ज्ञान की खोज में लगा रहा है। यदि आप इसका इतिहास देखें, तो प्राचीन काल से लेकर आज तक भारत इस ज्ञान-यात्रा के प्रति दृढ़तापूर्वक समर्पित रहा है।''
- मंत्री ने कहा कि भारत की ज्ञान परंपराओं में शिक्षा को कभी केवल जानकारी हासिल करने का साधन नहीं माना गया, बल्कि इसे चरित्र निर्माण का एक महत्वपूर्ण माध्यम समझा गया।
- मंत्री ने ने कहा कि जब तक्षशिला, नालंदा और विक्रमशिला जैसे महान विश्वविद्यालय फले-फूले, तब दुनिया के दूर-दराज के हिस्सों से छात्र इन प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में पढ़ने के लिए भारत आया करते थे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि राज्य का ध्यान केवल स्कूल और कॉलेज खोलने पर नहीं है बल्कि ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करने के प्रयासों पर है, जिसमें बच्चे अपनी पढ़ाई के साथ-साथ सीखने के सकारात्मक माहौल में आगे बढ़ सकें। सिंह ने कहा कि मुझे विश्वास है कि इस प्रकार के समन्वित प्रयासों के कारण उत्तर प्रदेश आने वाले वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में नए मानदंड स्थापित करेगा। लखनऊ से सांसद सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश एक व्यापक नजरिए के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी ने राज्य को पिछले कुछ वर्षों में सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति करते देखा है। बुनियादी ढांचे, निवेश, उद्योग और शिक्षा के क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश ने नयी गति हासिल की है।

उन्होंने सावित्रीबाई फुले और ज्योतिबा फुले का उल्लेख करते हुए कहा कि इन दूरदर्शी हस्तियों ने समाज के वंचित वर्गों यानी उन लोगों तक शिक्षा पहुंचाई, जो सामाजिक पायदान के सबसे निचले स्तर पर थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह दिखाया कि समाज में समानता और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा सबसे प्रभावी साधन है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत, अपने नाम के अनुरूप हमेशा ज्ञान की खोज में लगा रहा है। यदि आप इसका इतिहास देखें, तो प्राचीन काल से लेकर आज तक भारत इस ज्ञान-यात्रा के प्रति दृढ़तापूर्वक समर्पित रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की ज्ञान परंपराओं में शिक्षा को कभी केवल जानकारी हासिल करने का साधन नहीं माना गया, बल्कि इसे चरित्र निर्माण का एक महत्वपूर्ण माध्यम समझा गया।

उन्होंने कहा कि जब तक्षशिला, नालंदा और विक्रमशिला जैसे महान विश्वविद्यालय फले-फूले, तब दुनिया के दूर-दराज के हिस्सों से छात्र इन प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में पढ़ने के लिए भारत आया करते थे। सिंह ने कहा df आपने संभवतः फाह्यान और ह्वेन सांग के नाम सुने होंगे। ये लोग भी भारत आए थे। उन्होंने यह यात्रा इसलिए की क्योंकि इस भूमि में शिक्षा में न केवल ज्ञान प्राप्त करना शामिल है, बल्कि जीवन मूल्यों का समावेश भी शामिल है।

इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि डॉ एमएस स्वामीनाथन ने कृषि विज्ञान के अनुप्रयोग के माध्यम से देश को खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. वर्गीस कुरियन ने श्वेत क्रांति के माध्यम से भारत को दुनिया के सबसे बड़े दूध उत्पादक देशों में से एक बना दिया। डॉ. जेसी बोस का उदाहरण देते हुए सिंह ने कहा कि डॉ. जगदीश चंद्र बोस का उदाहरण हमारे सामने है। अपने शुरुआती दिनों में, उनके पास अत्याधुनिक, शानदार या परिष्कृत प्रयोगशालाओं तक पहुंच नहीं थी। फिर भी, उनके भीतर की जिज्ञासा की भावना ने आज उन्हें विज्ञान की दुनिया में अमर बना दिया।

उन्होंने कहा कि इन सभी उदाहरणों में एक समान सूत्र चलता हैः सबसे पहले, उन्होंने ज्ञान प्राप्त किया, और बाद में, उन्होंने उस ज्ञान को समाज के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। यही शिक्षा का असली उद्देश्य है कि एक व्यक्ति अपने ज्ञान का उपयोग न केवल व्यक्तिगत लाभ के लिए, बल्कि समाज की उन्नति के लिए भी करता है। यह शिक्षा का यही लोकाचार है जो स्वाभाविक रूप से बच्चों में जिज्ञासा और पूछताछ की भावना को बढ़ावा देता है। यह उनके विचारों को विकसित करता है, और उन्हें आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित करता है। उन्होंने स्कूल की नयी परिभाषा देते हुए कहा कि स्कूल सिर्फ ज्ञान देने की जगह नहीं है, बल्कि यह चरित्र निर्माण की प्रयोगशाला भी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह एक ऐसी जगह है जहां न केवल गणित, विज्ञान या भाषाएं पढ़ाई जाती हैं, बल्कि जीवन के मूल्य भी सिखाए जाते हैं।'' उन्होंने कहा कि हमारे बच्चों की शिक्षा के साथ-साथ चरित्र निर्माण पर भी ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा का असली उद्देश्य किसी व्यक्ति के लिए अपने ज्ञान का उपयोग न केवल अपने लाभ के लिए, बल्कि समाज की प्रगति के लिए भी करना है।

सिंह ने कहा कि बच्चे निश्चित रूप से स्कूल में अपनी पढ़ाई करते हैं, लेकिन उनका व्यक्तित्व घर पर बनता है। स्कूल उन्हें ज्ञान, अनुशासन और अनुभव प्रदान करता है, जबकि घर उन्हें जीवन का अनुभव, संवेदनशीलता और नैतिक मूल्य देता है। उन्होंने कहा कि अच्छी नौकरी, आकर्षक वेतन पैकेज, या किसी प्रतिष्ठित संस्थान में प्रवेश पाना ही जीवन में संपूर्ण सफलता नहीं है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सच्ची सफलता तब मिलती है जब कोई व्यक्ति अपने ज्ञान और विचारों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सक्षम होता हैः बच्चों को न केवल अंक हासिल करने के लिए, बल्कि जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना आवश्यक है।

किशोर का शव आम के पेड़ से लटका मिला, हंगामे के बाद मुकदमा दर्ज

प्रयागराज। जिले के सराय ममरेज थाना क्षेत्र के भदारी गांव में गुरुवार देर रात एक किशोर का शव घर के बगल आम के पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

आरोपितों के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार भदारी गांव निवासी शुभम (16) का शव घर के पास स्थित आम के पेड़ में लटका पाया गया। परिजनों और ग्रामीणों ने जब शव देखा तो मौके पर भारी भीड़ जुट गई। घटना को लेकर परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और देर रात तक हंगामा होता रहा। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने स्थिति को नियंत्रित किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने नामजद आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

इस संबंध में पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि भदारी गांव में एक किशोर का शव पेड़ से लटका मिला है। परिजनों की तहरीर के आधार पर आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की गहन जांच की जा रही है।

गड्ढे में मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

प्रयागराज। जिले में स्थित बहरिया थाना क्षेत्र के करनाईपुर पटेल नगर चौराहा के पास शुक्रवार सुबह एक युवक का शव गहरे गड्ढे में पाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस उपायुक्त कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि मृतक की पहचान प्रतापगढ़ जिले के रामनगर गांव निवासी संजय कुमार गौतम (35) के रूप में हुई है। युवक के पास गड्ढे में उसकी क्षतिग्रस्त मोटरसाइकिल भी पाई गई। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि सुबह जब लोग उधर से गुजर रहे थे, तभी गड्ढे में युवक का शव दिखाई दिया। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। ग्रामीणों का कहना है कि संभवतः युवक की मोटरसाइकिल गड्ढे में गिर गई, जिससे उसकी मौत हो गई। समौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

प्रदेश सरकार ने किया गोतस्करों का दमन, सलाखों के पीछे धकेले गए 35 हजार से अधिक आरोपित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार राज्य में गोतस्करों और अवैध पशु वध के खिलाफ बेहद गंभीर है। सरकार ने गोकशी को पूरी तरह से रोकने के लिए वर्ष 2020 में गोवध निवारण कानून में संशोधन किया। जून-2020 में उत्तर प्रदेश गोवध निवारण (संशोधन) अध्यादेश जारी हुआ। इसके तहत अब तक प्रदेश भर में गोकशी के 14 हजार 182 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 35 हजार 924 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया।

गोकशी से जुड़े मामलों में गिरफ्तार किए गए आरोपितों के खिलाफ केवल सामान्य मुकदमे ही नहीं दर्ज किए गए, बल्कि उनके विरुद्ध कड़े कानूनों के तहत भी कार्रवाई की गई। गोकशी के मामले में 35 हजार 924 आरोपितों में से 13 हजार 793 के खिलाफ गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई की गई, जबकि 178 आरोपितों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) की कार्रवाई की गई। इसके अलावा 14 हजार 305 मामलों में गैंगस्टर एक्ट के तहत कठोर कार्रवाई की गई है। इस दौरान प्रदेश में सक्रिय गोकशी से जुड़े नेटवर्क को ध्वस्त किया गया और आरोपितों की संपत्तियों की भी जांच की गई। गोकशी के मामलों में केवल गिरफ्तारी तक ही कार्रवाई सीमित नहीं रही, बल्कि आर्थिक स्तर पर भी अपराधियों पर प्रहार किया गया। गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के तहत कार्रवाई करते हुए लगभग 83 करोड़ 32 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की गई। इसका उद्देश्य अपराध से अर्जित संपत्ति को जब्त करने से संगठित अपराधियों की आर्थिक ताकत कमजोर करना है ताकि भविष्य में ऐसे अपराधों को पूरी तरह रोका जा सके।

उत्तर प्रदेश गोवध निवारण (संशोधन) अध्यादेश 2020 में नियमों को किया गया सख्त

- अध्यादेश के तहत प्रदेश में गोहत्या पर 10 साल कठोर कारावास की सजा
- तीन से पांच लाख तक जुर्माने का प्रावधान
- गोवंश के अंगभंग करने पर 7 साल की जेल व 3 लाख जुर्माना

- 13 हजार 793 आरोपितों पर गुंडा एक्ट, 178 पर एनएसए और 14,305 मामलों में गैंगस्टर के तहत की गई कार्रवाई
- आरोपितों की लगभग 83 करोड़ 32 लाख रुपये की संपत्ति जब्त

इतना ही नहीं कई मामलों में अवैध कमाई से खरीदी गई जमीन, वाहन और अन्य संपत्तियों को भी कुर्क किया है। योगी सरकार ने गोकशी पर नियंत्रण के लिए पुलिस की विशेष टीमों का गठन किया। विशेष टीमों द्वारा खुफिया निगरानी, जिलास्तरीय टास्क फोर्स और सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष सतर्कता के जरिये गोकशी-गोतस्करी के नेटवर्क को ध्वस्त किया गया। साथ ही प्रदेश के कई संवेदनशील जिलों में रात के समय पुलिस गश्त बढ़ाई गई। वहीं, पशु परिवहन से जुड़े मामलों की भी विशेष निगरानी की गई।

उत्तर प्रदेश पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि अवैध बूचड़खानों के खिलाफ लगातार अभियान चलाए गए। योगी सरकार की सख्त कार्रवाई से प्रदेश में अवैध पशु वध से जुड़े मामलों में काफी कमी आई है और संगठित गिरोहों की गतिविधियों पर अंकुश लगा है।

चेक बाउंस मामले में 9 लाख के बदले 19 लाख से अधिक की देनदारी, तीन माह की सजा भी

जालौन। उत्तर प्रदेश के जालौन नगर में चेक बाउंस से जुड़े एक मामले में अदालत ने शुक्रवार को अहम फैसला सुनाते हुए आरोपित व्यापारी को कड़ी सजा दी है। इस फैसले से समाज को संदेश गया है कि चेक देकर भुगतान न करना भारी पड़ सकता है। जालौन नगर के व्यापारी मनीष तिवारी को वर्ष 2021 में हापुड़ के व्यापारी योगेंद्र द्वारा 9 लाख रुपये का चेक दिया गया था। जब चेक बैंक में लगाया गया तो बाउंस हो गया। इसके बाद पीड़ित पक्ष की ओर से जालौन नगर के वरिष्ठ अधिवक्ता संतोष कुमार यादव ने न्यायालय में वाद दायर किया। मामले की सुनवाई न्यायाधीश जावेद खान की अदालत में चली। लगभग पांच वर्ष तक चली सुनवाई के बाद अदालत ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए आरोपित पर शुक्रवार को 19 लाख रुपये से अधिक की देनदारी निर्धारित की है। साथ ही अदालत ने तीन माह के कारावास की सजा भी सुनाई है।

सड़क पर भड़काऊ नारे लिखने के आरोप में दो महिलाओं समेत तीन लोग गिरफ्तार

सहारनपुर। पुलिस ने सहारनपुर जिले में दिल्ली-देहरादून राजमार्ग के किनारे बिहारीगढ़ इलाके में सड़क पर आपत्तिजनक नारे लिखकर सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने के आरोप में दो महिलाओं सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि आरोपियों को बृहस्पतिवार शाम को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कहा कि दिल्ली-देहरादून राजमार्ग के किनारे बिहारीगढ़ इलाके में सड़क पर एक विशेष समुदाय के खिलाफ आपत्तिजनक नारे लिखकर सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई थी। उसने बताया कि इस प्रयास को विफल कर दिया गया और मामले की जांच से पता चला कि इसमें शामिल लोग हिंदू रक्षा दल से जुड़े थे। पुलिस ने शांति भंग हो सकने और दंगों की आशंका के कारण कार्रवाई करते हुए बृहस्पतिवार की शाम को दो युवतियों सहित तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। उन पर दंगे भड़काने की साजिश रचने का आरोप है। बिहारीगढ़ थाने के प्रभारी अक्षय शर्मा ने शुक्रवार को बताया कि तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि इन आरोपियों की पहचान देहरादून निवासियों सुलेखा, शारदा और जितेंद्र राघव के रूप में हुई है। तीनों की उम्र 25 से 30 वर्ष के बीच है। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का एक वीडियो 26 फरवरी को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था जिसमें ये लोग सड़क पर आपत्तिजनक नारे लिखने के लिए 'स्प्रे पेंट' का इस्तेमाल करते नजर आ रहे थे।

उस समय, 'हिंदू रक्षा दल' से जुड़े व्यक्तियों ने इस कृत्य की जिम्मेदारी ली थी। पुलिस ने बताया कि इस घटना के संबंध में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के एक कर्मचारी ने बिहारीगढ़ थाने में लिखित शिकायत दर्ज करायी, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया।

HPCL हत्याकांडः दो पुलिस अधिकारी निलंबित; परिजनों ने लगाया 'निष्क्रियता' का आरोप

बदायूं। इथेनॉल संयंत्र से जुड़े दो वरिष्ठ अधिकारियों की गोली मारकर हत्या करने के मामले में क्षेत्राधिकारी की रिपोर्ट के बाद दो पुलिस अधिकारियों को लापरवाही के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इस बीच, मृतकों में से एक हर्षित मिश्रा के परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि पहले भी शिकायत की गई थी कि उनकी जान को खतरा है लेकिन पुलिस ने शिकायत पर ध्यान नहीं दिया।

सेजनी गांव स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) संयंत्र में सहायक महाप्रबंधक (एजीएम) के पद पर कार्यरत मिश्रा (34) और महाप्रबंधक सुधीर कुमार गुप्ता (58) की बृहस्पतिवार को हत्या कर दी गई थी। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए बदायूं के सांसद आदित्य यादव ने कहा कि एक औद्योगिक परिसर के अंदर दिनदहाड़े दो अधिकारियों की हत्या से कानून व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर सवाल उठते हैं। अधिकारियों ने बताया कि निरीक्षक अजय कुमार और उप-निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार को बृहस्पतिवार रात अपने कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही के आरोप में निलंबित कर दिया गया। यह कार्रवाई उझानी के

क्षेत्राधिकारी देवेंद्र कुमार द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के बाद की गई। मिश्रा परिवार के सदस्य शुक्रवार की सुबह शवगृह के बाहर जमा हो गए, जहां मिश्रा और गुप्ता के शव रखे गए हैं। मिश्रा की मां रानी देवी ने रोते हुए कहा, ''उनके बेटे ने पहले ही कई बार अपनी जान को खतरा होने की बात बताई थी और इसके लिए जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और विधायक तक से शिकायत की थी।'' उन्होंने कहा कि आरोपी अजय प्रताप सिंह उर्फ रामू खुलेआम धमकियां देता था और एक आपराधिक गिरोह से जुड़े होने का दावा करके उन्हें डराता-धमकाता था। रानी देवी ने दावा किया, ''मेरे बेटे ने सबको बताया था कि उसकी जान को खतरा है। उसने एसपी, डीएम और यहां तक कि विधायक से भी संपर्क किया, लेकिन किसी ने हमारी बात नहीं सुनी। बैठक में कई लोग मौजूद थे; फिर सिर्फ मेरे बच्चे की ही क्यों जान गई? किसी और को खरोंच तक नहीं आई। सुरक्षाकर्मी भी इस साजिश में शामिल थे।'' घटना में मारे गए एजीएम के मामा प्रभात मिश्रा ने प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि आरोपी पहले से धमकियां देता था और गाड़ियों का पीछा करता था, लेकिन पुलिस ने कभी ''गंभीरता से कार्रवाई नहीं की''।

उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा सवाल यह है कि बंदूक लेकर वह संयंत्र के अंदर कैसे पहुंच गया। पहले से शिकायत की गई थी कि वह गाड़ी रोकता था और पीछा करता था, फिर भी पुलिस ने नहीं सुना। मिश्रा के पिता सुशील कुमार ने बताया कि उनके बेटे ने कई बार पुलिस और प्रशासन से सुरक्षा की मांग की थी। शवगृह के पास मौजूद मिश्रा के पिता ने से कहा, ''मेरे बेटे ने डीएम, एसपी और मुसाझाग थाने से सुरक्षा मांगी थी। मामला दर्ज होने के बावजूद आरोपी खुलेआम घूमता रहा। आरोपी घटनास्थल पर आया और उसने दो लोगों की हत्या कर दी।'' उन्होंने आरोप लगाया कि यह हत्या एक सोची-समझी साजिश का हिस्सा थी। उन्होंने मामले में जांच की मांग करते हुए इस साजिश में कई बड़े लोगों के शामिल होने की आशंका जताई। उन्होंने एचपीसीएल के एक शीर्ष अधिकारी सहित चार लोगों का नाम लिया और उन पर हत्या की साजिश रचने में शामिल होने का आरोप लगाया। घटना के बाद पुलिस प्रशासन भी हरकत में दिखा।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पुलिस क्षेत्राधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर थाना मूसाझाग के थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अजय कुमार और क्षेत्र के हल्का प्रभारी धर्मेंद्र कुमार को निलंबित कर दिया है। जिलाधिकारी अवनीश राय ने बताया था कि बृहस्पतिवार को संयंत्र के उप महाप्रबंधक सुधीर कुमार गुप्ता और सहायक महाप्रबंधक हर्षित मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। राय ने कहा था कि आरोपी सेजनी गांव निवासी आरोपी अजय प्रताप सिंह उर्फ रामू पहले इथेनॉल संयंत्र में विक्रेता के रूप में काम करता था, जिसे बाद में गिरफतार कर लिया गया। सूत्रों ने कहा कि महाप्रबंधक गुप्ता ने हाल में कुछ कर्मचारियों की छंटनी की थी और उन विक्रेताओं को काली सूची में डाल दिया था। उन्होंने बताया कि बर्खास्तगी के बाद से सिंह महाप्रबंधक से नाराज थे और उन्होंने कई मौकों पर उन्हें धमकी भी दी थी।

12वीं कक्षा की परीक्षा देने के बाद लापता हुई 6 छात्राएं

बिजनौर। चांदपुर में 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा देने के बाद स्कूल से निकलीं छह छात्राएं लापता हो गईं। पुलिस ने यह जानकारी दी। चांदपुर थाने के प्रभारी अमित कुमार ने शुक्रवार को बताया कि बृहस्पतिवार को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा की संस्कृत की अंतिम परीक्षा थी। उन्होंने कहा कि चांदपुर और हीमपुर क्षेत्र की छह छात्राएं प्रतिष्ठित इंटर कॉलेज में परीक्षा के बाद घर नहीं पहुंचीं तो परिजन ने काफी तलाश के बाद देर शाम पुलिस में तहरीर दी। पुलिस के अनुसार छात्राओं की गुमशुदगी का मामला दर्ज करके उनकी तलाश शुरू कर दी गई है, फोन सर्विलांस की मदद ली जा रही है और एक छात्रा के फोन की लोकेशन उत्तराखंड में मिली है। पुलिस के अनुसार छात्राएं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की रहने वाली हैं।

गैस सिलेंडर को लेकर अफवाहों से बचें, सर्वर स्लो होने से आई थी बुकिंग में दिक्कतः डीएम

मीरजापुर। जिले में घरेलू गैस सिलेंडर की किल्लत की चर्चाओं के बीच जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने स्पष्ट किया है कि जनपद में गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। तकनीकी कारणों से ऑयल कंपनियों के सर्वर स्लो होने के चलते गुरुवार को ऑनलाइन बुकिंग में कुछ समय के लिए समस्या जरूर आई थी, लेकिन इसका समाधान किया जा रहा है और जल्द ही बुकिंग व डिलीवरी पहले की तरह सुचारु हो जाएगी।

डीएम ने बताया कि सर्वर की धीमी गति के कारण उपभोक्ताओं को गैस बुकिंग में परेशानी का सामना करना पड़ा, जिससे कई जगहों पर किल्लत की अफवाहें फैल गईं। उन्होंने कहा कि जनपद में गैस की आपूर्ति नियमित रूप से जारी है और कहीं भी वास्तविक कमी की स्थिति नहीं है। जिलाधिकारी ने सभी घरेलू गैस उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे गैस एजेंसियों या गोदामों पर अनावश्यक भीड़ न लगाएं। यदि घर में भरा हुआ सिलेंडर मौजूद है तो फिलहाल अतिरिक्त सिलेंडर लेने के लिए प्रयास न करें, ताकि जरूरतमंद उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि जिला प्रशासन गैस आपूर्ति को लगातार सुचारु बनाए रखने के लिए निगरानी कर रहा है। किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देते हुए लोग प्रशासन का सहयोग करें। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि तकनीकी समस्या दूर होते ही ऑनलाइन बुकिंग और सिलेंडर की डिलीवरी सामान्य रूप से शुरू हो जाएगी, जिससे उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी।

परेड के बाद सेनानायक ने गैस एजेंसी का किया निरीक्षण

वाराणसी। भुल्लनपुर क्षेत्र में 34 वीं वाहिनी पीएसी के मैदान में शुक्रवार परेड के बाद सेनानायक डॉ मीनाक्षी कात्यायन ने गैस एजेंसी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद डॉ मीनाक्षी कात्यायन ने कहा कि देश और प्रदेश में गैस सिलेंडर की कमी के समाचार आने के बाद उन्होंने 34 पीएससी वाहिनी की गैस एजेंसी का निरीक्षण किया है और पाया है कि किसी प्रकार की गैस उपलब्धता संबंधित कोई समस्या नहीं है। पीएसी जवानों को समय पर गैस उपलब्ध हो रही है। यहां सब कुछ आल इज वेल है। इससे पूर्व में 34 वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी में सेनानायक की उपस्थिति में वाहिनी परेड ग्राउंड पर परेड कराई गई। परेड के हकदार परेड पर उपस्थित रहे। सेनानायक ने अनुशासन और स्वच्छता पर एक बार फिर से जोर दिया।

पीडीए का मतलब- पॉवर ऑफ डिम्पल अखिलेश : केशव प्रसाद मौर्य

झांसी। उज्जैन में महाकालेश्वर के दर्शन करने के बाद गुरुवार देर रात झांसी के सर्किट हाउस पहुंचे उत्तर प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पीडीए का एक नया अर्थ बताया। उन्होंने कहा कि पीडीए का मतलब 'पॉवर ऑफ डिम्पल-अखिलेश' है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर वैश्विक संकट में भी जनता को भड़काने व अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। कहा कि देश में अराजकता फैलाने का उनका यह प्रयास सफल नहीं होगा।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सत्ता में आने के लिए अब अखिलेश को पीडीए और बी पीडीए याद आ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत का जहाज मुंबई पहुंचना प्रधानमंत्री मोदी की सफल विदेश नीति का उदाहरण है। गुरुवार की देर रात झांसी पहुंचे यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि भारत विश्व में उभरती हुई शक्ति है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल विदेश नीति का ही असर है कि जिस रास्ते से दुनिया के जहाज निकल नहीं पा रहे उस रास्ते से भारत का जहाज आज मुंबई पहुंच गया।

भारत के जहाजों के रास्ते अमेरिका, इजराइल और ईरान की ओर से न कोई समस्या आएगी ओर न कोई गैस, क्रूड ऑयल की समस्या आएगी। देश की जनता को धैर्य से सरकार के प्रयासों का सहयोग करना चाहिए। देश व प्रदेश में घरेलू गैस की कोई समस्या नहीं आएगी।

एक सवाल के जबाव में उन्होंने कहा कि इस वैश्विक संकट में भी राहुल, अखिलेश जिस तरह की घटिया राजनीति कर रहे हैं,उस पर विपक्षी नेताओं को शर्म आनी चाहिए। राहुल गांधी व अखिलेश यादव देश में अराजकता फैलाने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन वह इस प्रयास में सफल नहीं होंगे। उन्होंने शंकराचार्य से अखिलेश यादव के मिलने के सवाल पर कहा कि अखिलेश यादव मुंह में राम और बगल में छुरी वाली कहावत चरितार्थ कर रहे हैं। जिस सपा के हाथ रामभक्तों के खून से सने हैं, जिन्होंने रामभक्तों व शिवभक्तों पर लाठियां व गोलियां बरसाई उन्हें सनातन की बात करना शोभा नहीं देता। वहीं उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव मुंगेरी लाल के हसीन सपने देख रहे हैं। 2027 में समाजवादी पार्टी का 2017 से भी बुरा हाल होगा।

2027 में भी भाजपा सरकार बनाएगी। पश्चिम बंगाल में भारी बहुमत से भाजपा सरकार बनाने जा रही है।असम में भी तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने जा रही है। अखिलेश यादव सत्ता से बेदखल हैं, इसलिए उन्हें पीडीए,बीपीडीए की ब्राह्मण, दलित की याद आ रही है। वह किसी प्रकार जनता को गुमराह कर सत्ता हासिल करना चाह रहे हैं। लेकिन वह सफल नहीं होंगे।

केम्प एफसी की नजरें आईडब्ल्यूएल 2 में मजबूत शुरुआत पर

बेंगलुरु। कर्नाटक की तेजी से उभरते केम्प फुटबॉल क्लब देश की शीर्ष लीग में अपनी जगह पक्की करने के लक्ष्य के साथ 25 मार्च को कोलकाता की सुरुचि संघा एफसी के खिलाफ 'इंडियन वुमैंस लीग (आईडब्ल्यूएल) 2' में अपने अभियान का आगाज करेगा। बेंगलुरु स्थित इस टीम का गठन महज चार साल पहले हुआ था। केम्प एफसी कर्नाटक के महिला फुटबॉल जगत की सबसे होनहार टीमों में से एक बनकर उभरी है। सत्र शुरू होने से पहले क्लब ने 'वीएसटी समूह' से समर्थन मिलने की घोषणा भी की है। लगभग 80 प्रतिशत की प्रभावशाली जीत दर और 120 से अधिक युवा खिलाड़ियों के लिए एक सुनियोजित विकास योजना के साथ क्लब ने केएसएफए लीग प्रणाली में काफी प्रगति की है। अब उसका लक्ष्य आईडब्ल्यूएल 2 में शीर्ष पर पहुंचना है। केम्प एफसी की अध्यक्ष कैथलीन ने कहा, ''हमारा पूरा ध्यान फुटबॉल और युवा महिला खिलाड़ियों को उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर प्रदान करने पर केंद्रित है।'' उन्होंने कहा, ''हमने महज तीन सत्रों में एक मजबूत टीम बनाई है। हमने कोचिंग और खेल विज्ञान में निवेश किया है और प्रतिभाओं की एक मजबूत श्रृंखला तैयार की है। आईडब्ल्यूएल 2 हमारी इस यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है और खिलाड़ी इस चुनौती के लिए तैयार हैं।''

इंडियन वेल्स 2026: स्वितोलिना ने सेमीफाइनल में बनाई जगह साबालेंका और सिनर भी आगे

मैक्सिको सिटी। यूक्रेन की स्टार टेनिस खिलाड़ी एलीना स्वितोलिना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पोलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी इगा स्वियातेक को 6-2, 4-6, 6-4 से हराकर इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं विश्व नंबर एक आर्यना साबालेंका भी क्वार्टरफाइनल जीतकर अंतिम चार में पहुंच गईं। मैच की शुरुआत में स्वियातेक लय में नहीं दिखीं और उन्होंने पांच डबल फॉल्ट किए। इसका फायदा उठाते हुए स्वितोलिना ने तीन बार सर्विस ब्रेक करते हुए मात्र 38 मिनट में पहला सेट 6-2 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में स्वियातेक ने शानदार वापसी की और मुकाबले को निर्णायक सेट तक पहुंचाया। हालांकि तीसरे सेट में स्वितोलिना ने एकमात्र सर्विस ब्रेक हासिल कर बढ़त बना ली और आत्मविश्वास के साथ मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। जीत के बाद स्वितोलिना ने कहा कि यह मुकाबला बेहद कठिन था और स्वियातेक हमेशा उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए मजबूर करती हैं। उन्होंने बताया कि सात साल बाद इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचकर वह बेहद खुश हैं। महिला वर्ग में शीर्ष वरीय आर्यना साबालेंका ने कनाडा की 19 वर्षीय खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको को 7-6 (0), 6-4 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहले सेट के

टाईब्रेक में साबालेंका ने बिना कोई अंक गंवाए जीत दर्ज की। अब साबालेंका का सामना चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा से होगा।

नोस्कोवा ने ऑस्ट्रेलिया की क्वालीफायर तालिया गिब्सन को 6-2, 4-6, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पुरुष एकल वर्ग में जर्मनी के चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने फ्रांस के आर्थर फिल्स को 6-2, 6-3 से हराया। अब उनका सामना इटली के विश्व नंबर दो खिलाड़ी यानिक सिनर से होगा, जिन्होंने अमेरिका के लर्नर टियन को 6-1, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

AIFF के पूर्व महासचिव कुशल दास का निधन

नई दिल्ली। अनुभवी प्रशासक और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के पूर्व महासचिव कुशल दास का शुक्रवार को निधन हो गया। वह 66 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी और दो बेटे है। दास ने भारत में 2017 फीफा अंडर-17 विश्व कप के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने 2022 में स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा देने से पहले 12 वर्षों तक एआईएफएफ के महासचिव पद पर कार्य किया। फुटबॉल प्रशासन से 2010 में जुड़ने से पहले दास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और 'अंतरराष्ट्रीय प्रबंधन समूह (आईएमजी) इंडिया' में मुख्य वित्तीय अधिकारी के रूप में कार्यरत थे।

उन्होंने दिल्ली के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। यह जानकारी शाजी प्रभाकरन ने दी। प्रभाकरन भी अनुभवी फुटबॉल प्रशासक हैं जिन्होंने आई-लीग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनंदो धर के कुछ समय तक कार्यवाहक महासचिव के रूप में कार्य करने के बाद 2022 में एआईएफएफ के पूर्णकालिक महासचिव के रूप में दास का स्थान लिया था। प्रभाकरन ने 'एक्स' पर लिखा, ''एआईएफएफ के पूर्व महासचिव कुशल दास का आज सुबह दिल्ली के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। इस बेहद कठिन समय में उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं। ओम शांति।'' एआईएफएफ ने भी अपने पूर्व शीर्ष अधिकारी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए एक बयान जारी किया।

एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा, ''कुशल दास ने एआईएफएफ के महासचिव के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान भारतीय फुटबॉल के प्रशासन और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।'' उन्होंने कहा, ''भारतीय फुटबॉल के प्रति उनके प्रयासों को हमेशा याद रखा जाएगा। संपूर्ण भारतीय फुटबॉल जगत की ओर से मैं इस कठिन समय में उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।'' अपने शुरुआती पेशेवर जीवन में उन्होंने पीडब्ल्यूसी, जीएसके और शेल सहित कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ काम किया। जब वैश्विक खेल विपणन और टेलीविजन निर्माण कंपनी आईएमजी ने 1996 में भारतीय बाजार में प्रवेश किया तब वह मुख्य वित्तीय अधिकारी के रूप में इससे जुड़े थे। एआईएफएफ के उप महासचिव एम सत्यनारायण ने कहा, ''दास के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। वह एआईएफएफ के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले महासचिवों में से एक थे।

उन्होंने 12 वर्षों से अधिक समय तक अपनी सेवाएं दीं। उनके कार्यकाल के दौरान फुटबॉल के प्रशासन में कई बदलाव हुए और कई नए विभाग बनाए गए।'' उन्होंने कहा, '' मैंने व्यक्तिगत रूप से उनसे कई बार संपर्क किया था और उनके निधन से खेल प्रशासन में एक बहुत बड़ा खालीपन आ गया है।'' उनके कार्यकाल में भारतीय टीम ने तीन बार एएफसी एशियाई कप टूर्नामेंटों के लिए क्वालीफाई किया। देश ने 2017 में पहली बार प्रतिष्ठित फीफा अंडर-17 विश्व कप की मेजबानी की। उन्होंने विश्व कप की मेजबानी को उस समय भारतीय फुटबॉल के लिए 'बहुत बड़ा' मौका करार दिया था। इस टूर्नामेंट ने इतिहास में सबसे अधिक दर्शकों वाले फीफा युवा विश्व कप का रिकॉर्ड बनाया। उनके प्रयासों से भारत को 2022 एएफसी महिला एशियाई कप और 2022 फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप की मेजबानी हासिल हुई थी।

दास ने 2010 में 'फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड' (एफएसडीएल) को एआईएफएफ का विपणन भागीदार बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस भागीदारी से ही इंडियन सुपर लीग का आगाज हुआ था। उन्होंने कहा था कि पिछले प्रसारक के अलग होने के बाद इस साझेदारी ने एआईएफएफ को वित्तीय संकट से बचाया। उनके मार्गदर्शन में एआईएफएफ ने 'गोल्डन बेबी लीग' और एक संरचित युवा विकास प्रणाली शुरू की जिसमें आयु-समूह लीग शामिल थीं। इस योजना ने क्लबों और अकादमियों को दीर्घकालिक खिलाड़ी विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया।

पोल वॉल्ट में आर्मंड डुप्लांटिस ने 15वीं बार तोड़ा विश्व रिकॉर्ड

उप्साला (स्वीडन)। स्वीडन के स्टार पोल वॉल्टर आर्मंड डुप्लांटिस ने एक बार फिर इतिहास रचते हुए पोल वॉल्ट का विश्व रिकॉर्ड 15वीं बार तोड़ दिया। उन्होंने उप्साला में आयोजित प्रतियोगिता में 6.31 मीटर की शानदार छलांग लगाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया।

26 वर्षीय डुप्लांटिस ने यह ऊंचाई अपने पहले ही प्रयास में पार कर ली। इससे पहले उन्होंने 5.65 मीटर, 5.90 मीटर और 6.08 मीटर की ऊंचाई भी पहले प्रयास में ही पार की। इसके बाद उन्होंने बार को सीधे 23 सेंटीमीटर बढ़ाकर विश्व रिकॉर्ड ऊंचाई 6.31 मीटर कर दिया और पहली ही कोशिश में इसे पार कर लिया। डुप्लांटिस 2020 में 6.17 मीटर की छलांग लगाने के बाद से ही इस रिकॉर्ड के मालिक बने हुए हैं और लगातार इसे बेहतर करते आ रहे हैं। यह दूसरी बार है जब उन्होंने स्वीडन की धरती पर विश्व रिकॉर्ड बनाया है। इससे पहले उन्होंने जून 2025 में स्टॉकहोम में 6.28 मीटर की छलांग लगाई थी। रिकॉर्ड बनाने के बाद डुप्लांटिस ने दर्शकों से कहा कि अपने देश में यह उपलब्धि हासिल करना उनके लिए बेहद खास है।

उन्होंने कहा कि वह अपने लिए, अपने परिवार के लिए और स्वीडन के लोगों के लिए कूदते हैं। प्रतियोगिता में नॉर्वे के सोंद्रे गुट्टोरम्सेन 6.00 मीटर की छलांग के साथ दूसरे स्थान पर रहे। वहीं ग्रीस के इमैनुएल करालिस 6.00 मीटर की ऊंचाई पार करने में तीनों प्रयासों में असफल रहे। अब डुप्लांटिस के पास मार्च के अंत में पोलैंड के तोरुन में होने वाली वर्ल्ड इनडोर चैंपियनशिप में अपने इस नए विश्व रिकॉर्ड को और बेहतर करने का मौका होगा।

आईपीएल 2026: नई टीम के साथ कुछ नया बनाने की कोशिश करेंगे: ऋषभ पंत

नई दिल्ली। ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की तैयारी शुरू कर दी है। टीम के नए खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कप्तान पंत ने कहा कि सभी को एक-दूसरे से सीखते हुए इस सीजन के लिए कुछ नया बनाने की कोशिश करनी चाहिए। एलएसजी की ओर से साझा किए गए एक वीडियो में पंत ने नए खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि टीम में पिछले साल के कई खिलाड़ी मौजूद हैं, जबकि कुछ नए चेहरे भी जुड़े हैं। ऐसे में सभी को आपस में बेहतर तालमेल बनाकर आगे बढ़ना होगा।

पंत ने कहा, ''हम सबको यहां मौजूद हर खिलाड़ी से जितना संभव हो उतना सीखने की कोशिश करनी चाहिए। अगर हम क्रिकेट के बारे में बातचीत नहीं करेंगे तो सुधार भी नहीं कर पाएंगे। इस सीजन के लिए हमें मिलकर कुछ बेहतर बनाने की कोशिश करनी होगी।'' पिछले दिसंबर में हुए मिनी ऑक्शन में लखनऊ ने कई नए खिलाड़ियों को टीम में

शामिल किया। इनमें श्रीलंका के स्टार ऑलराउंडर वानिन्दु हसरंगा, दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नार्ट्जे, मुकुल चौधरी, नमन तिवारी, अक्षत रघुवंशी और ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिश शामिल हैं। इसके अलावा टीम ने ट्रेड के जरिए अर्जुन तेंदुलकर और भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को भी अपने साथ जोड़ा है। पंत की अगुवाई में पिछले सीजन में लखनऊ का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। टीम ने लीग चरण में केवल छह मैच जीते और अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही। हालांकि आखिरी लीग मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ पंत ने नाबाद 118 रन की शानदार पारी खेली थी, लेकिन टीम को इसका फायदा नहीं मिल सका।

पंत ने कहा कि किसी भी सीजन की शुरुआत में टीम का लक्ष्य जीतना होता है, लेकिन खिलाड़ियों के लिए यह भी जरूरी है कि वे अपने व्यक्तिगत और टीम के लक्ष्यों को लेकर स्पष्ट रहें। उन्होंने बताया कि अभी यह प्री-सीजन कैंप जैसा है, क्योंकि बाकी खिलाड़ी 15-16 मार्च के आसपास टीम से जुड़ेंगे। आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स अपने अभियान की शुरुआत 01 अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने घरेलू मैदान अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में करेगी। इसके बाद टीम 05 अप्रैल को हैदराबाद में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबला खेलेगी।

गोवा जुलाई में करेगा अगली अल्टीमेट टेबल टेनिस की मेजबानी

नई दिल्ली। गोवा जुलाई में श्यामा प्रसाद मुखर्जी इंडोर स्टेडियम में फ्रेंचाइजी आधारित अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) के सातवें सत्र की मेजबानी करेगा। लीग के आयोजकों ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ के तत्वाधान में 11 स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित की जाने वाली यूटीटी 2017 में लांच हुई थी और आयोजकों ने एक बयान में कहा, कि अल्टीमेट टेबल टेनिस भारत के टेबल टेनिस तंत्र का अहम हिस्सा बन गई है। इससे पिछले कुछ वर्षों में प्रत्येक स्तर पर खेल बेहतर हुआ है। यूटीटी के सह प्रवर्तक विटा दानी ने कहा कि इस लीग ने भारतीय खिलाड़ियों के आत्मविश्वास में बढ़ोतरी की है, उन्हें ज्यादा पहचान मिली है। हमारा मकसद एक ऐसी विश्व स्तरीय लीग बनाना है जो युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करे, प्रशंसकों को इस खेल से जोड़े और लंबे समय तक खेल के विकास में मदद करे। खिलाड़ियों की नीलामी और सातवें सत्र के पूरे कार्यक्रम की घोषणा आगामी हफ्तों में की जाएगी।

गुणवत्ता, स्थिरता और एआई भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा को आगे बढ़ाएंगे: पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि गुणवत्ता, स्थिरता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि भारत कृषि-खाद्य क्षेत्र में विशेष रूप से निर्यात के मामले में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है। इसमें बेहतर कोल्ड-चेन बुनियादी ढांचे और नवीन पैकेजिंग समाधानों का अहम योगदान है, जिनकी मदद से भारतीय उत्पाद वैश्विक प्रीमियम बाजारों तक अपनी पहुंच बना पा रहे हैं।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल नई दिल्ली में भारतीय पैकेजिंग संस्थान (आईआईपी) के 6ठे अंतरराष्ट्रीय पैकेजिंग उद्योग शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अपने संबोधन में सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं और आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में पैकेजिंग के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि बदलती खाद्य प्रणालियां, उपभोग के बदलते तौर-तरीके और जलवायु संबंधी चिंताएं सुरक्षित और सतत भोजन की मांग को बढ़ा रही हैं; ऐसे में पैकेजिंग खाद्य सुरक्षा, वैश्विक व्यापार और उपभोक्ता विश्वास के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण तत्व बन गई है। वैश्विक मानकों के महत्व पर जोर देते हुए गोयल ने कहा कि भारत कई 'मुक्त व्यापार समझौतों' (एफटीए) के माध्यम से अपने व्यापार का विस्तार कर रहा है। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप पैकेजिंग निर्यात को मजबूत करने और उत्पादों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य होगी।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैकेजिंग' जैसी संस्थाएं तकनीकी मार्गदर्शन, नवाचार, परीक्षण सेवाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से उद्योगों को सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पैकेजिंग क्षेत्र में स्थिरता और डिजिटल नवाचार की आवश्यकता को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि इस उद्योग को 'चक्रीय अर्थव्यवस्था' के सिद्धांतों को अपनाना चाहिए, जैसे कि पुनर्चक्रण योग्य सामग्रियों का उपयोग करना और अपशिष्ट को कम करना। इस सेक्टर को भारत के लंबे समय के विजन से जोड़ते हुए उन्होंने कहा कि 2047 तक 'विकसित भारत' का लक्ष्य हासिल करना, मजबूत सप्लाई चेन और इनोवेशन पर आधारित उद्योगों पर निर्भर करेगा। गोयल ने 'भारत पैकेजिंग प्रदर्शनी 2027' की घोषणा भी की।

इस प्रदर्शनी का आयोजन 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैकेजिंग' की ओर से 'इंडिया एक्सपो मार्ट लिमिटेड' के सहयोग से किया जाएगा। इस प्रदर्शनी में करीब 50 अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों सहित 1,500 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट, सेंसेक्स 1,471 अंक टूटा

मुंबई। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण शेयर बाजार के मानक सूचकांकों - सेंसेक्स और निफ्टी में शुक्रवार को भारी गिरावट हुई। वैश्विक बाजारों में भारी बिकवाली, विदेशी कोषों की निरंतर निकासी और रुपये की कमजोरी ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया।

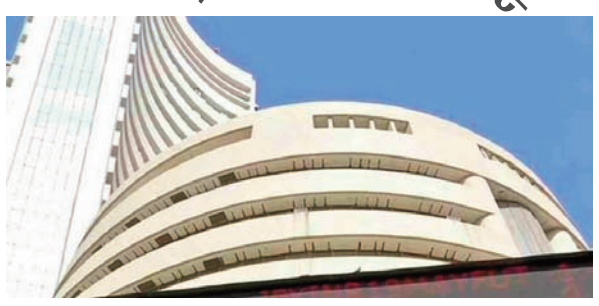

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 1,470.50 अंक यानी 1.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,563.92 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,579.82 अंक यानी दो प्रतिशत गिरकर 74,454.60 अंक पर आ गया था। इसी तरह, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 488.05 अंक यानी 2.06 प्रतिशत फिसलकर 23,151.10 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से लार्सन एंड टुब्रो, टाटा स्टील, एसबीआई, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स , मारुति और अल्ट्राटेक सीमेंट को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ा। दूसरी तरफ, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारती एयरटेल के शेयरों में बढ़त का रुझान रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.25 प्रतिशत बढ़कर 100.7 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्केई, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोपीय और अमेरिकी बाजारों में भी नकारात्मक रुख देखा गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बृहस्पतिवार को 7,049.87 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 7,449.77 करोड़ रुपये की खरीदारी की। इससे पहले बृहस्पतिवार को सेंसेक्स 829.29 अंक गिरकर 76,034.42 अंक और निफ्टी 227.70 अंक टूटकर 23,639.15 अंक पर बंद हुआ था।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 11.68 अरब डॉलर घटकर 716.81 अरब डॉलर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार छह मार्च को समाप्त सप्ताह में 11.68 अरब डॉलर घटकर 716.81 अरब डॉलर रह गया। आरबीआई ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इसके एक सप्ताह पहले देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 4.885 अरब डॉलर बढ़कर 728.494 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर रहा था।

रिजर्व बैंक की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, छह मार्च को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 9.88 अरब डॉलर घटकर 563.24 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के रूप में व्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं के मूल्य में

घट-बढ़ के प्रभाव शामिल होते हैं। रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.61 अरब डॉलर घटकर 130.01 अरब डॉलर रह गया।

केंद्रीय बैंक ने बताया कि विशेष आहरण अधिकार 14.6 करोड़ डॉलर घटकर 18.72 अरब डॉलर रह गया। आंकड़ों के मुताबिक, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 4.5 करोड़ डॉलर घटकर 4.82 अरब डॉलर रह गया।

सरकार ने निर्बाध एलपीजी आपूर्ति का भरोसा दिया, घबराहट में बुकिंग न करने की सलाह

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट से ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने के बीच सरकार ने शुक्रवार को कहा कि घरों के लिए एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की गई है और गैस सिलेंडर के लिए घबराहट में बुकिंग करने की कोई जरूरत नहीं है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने यहां एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि पांच मार्च से अब तक घरेलू एलपीजी उत्पादन में 30 प्रतिशत की वृद्धि की जा चुकी है। उन्होंने कहा, "घबराहट में सिलेंडर की बुकिंग की कोई जरूरत नहीं है, और किसी भी एलपीजी डीलर के पास स्टॉक खत्म नहीं हुआ है।" शर्मा ने बताया कि ईरान युद्ध से पहले औसतन 55.7 लाख बुकिंग के मुकाबले इस समय एलपीजी बुकिंग बढ़कर 75.7 लाख हो गई है, जो स्पष्ट रूप से घबराहट में की जा रही बुकिंग को दर्शाता है। पश्चिम एशिया संघर्ष ने कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति को प्रभावित किया है, क्योंकि ईरान और ओमान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया गया है। यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा पारगमन मार्गों में से एक है।

यात्री वाहनों की थोक बिक्री फरवरी में 10.6% बढ़ी: सियाम

नई दिल्ली। घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री फरवरी में सालाना आधार पर 10.6 प्रतिशत बढ़कर 4,17,705 इकाई हो गई। इस दौरान बाजार में सकारात्मक भावनाएं जारी रहीं लेकिन पश्चिम एशिया में युद्ध चिंता का विषय बना हुआ है क्योंकि इससे विनिर्माण एवं निर्यात प्रभावित हो सकते हैं। उद्योग संगठन सियाम ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। फरवरी 2025 में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 3,77,689 इकाई रही थी। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के अनुसार, फरवरी में यात्री वाहनों की बिक्री में वृद्धि की मुख्य वजह यूटिलिटी वाहनों की मजबूत मांग रही। इनकी बिक्री 13.5 प्रतिशत बढ़कर 2,36,957 इकाई रही जबकि पिछले फरवरी 2025 में यह 2,08,795 इकाई थी।

यात्री कारों की बिक्री 3.8 प्रतिशत घटकर 1,06,799 इकाई रह गई जो एक वर्ष पहले इसी अवधि में 1,10,966 इकाई थी। घरेलू बाजार में वैन की थोक बिक्री 1.1 प्रतिशत बढ़कर 11,620 इकाई रही जबकि फरवरी 2025 में यह 11,493 इकाई थी। सियाम के अनुसार, फरवरी में दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री 35.2 प्रतिशत बढ़कर 18,71,406 इकाई हो गई जबकि फरवरी 2025 में यह 13,84,605 इकाई थी। मोटरसाइकिल की थोक बिक्री फरवरी में 30.8 प्रतिशत बढ़कर 10,96,537 इकाई हो गई जो एक वर्ष पहले इसी महीने 8,38,250 इकाई थी। इसी तरह स्कूटर की बिक्री 42.3 प्रतिशत बढ़कर 7,29,774 इकाई रही, जबकि फरवरी 2025 में यह 5,12,783 इकाई थी। इसके अलावा तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री 29 प्रतिशत बढ़कर 74,573 इकाई हो गई, जो एक वर्ष पहले इसी अवधि में 57,788 इकाई थी।

सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा, '' उद्योग में सकारात्मक माहौल बना हुआ है, क्योंकि वर्ष 2026 में फरवरी महीने में तीनों श्रेणियों यात्री वाहन, दोपहिया और तिपहिया की बिक्री अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर रही और फरवरी 2025 की तुलना में दो अंकों की वृद्धि दर्ज की गई।'' आगे की स्थिति पर उन्होंने कहा कि मार्च महीने में देश के कई हिस्सों में त्योहारी मांग का असर देखने को मिल सकता है, लेकिन पश्चिम एशिया में हालिया संघर्ष चिंता का विषय बना हुआ है। इससे आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो सकती है जिसका असर विनिर्माण प्रक्रिया और निर्यात पर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि उद्योग भूराजनैतिक परिस्थितियों में हो रहे बदलावों पर नजर बनाए रखेगा।

RBI ने सरकारी प्रतिभूतियां खरीद कर बैंकिंग प्रणाली में 50,000 करोड़ रुपये डाले

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को खुले बाजार की गतिविधियों (ओएमओ) के तहत सरकारी प्रतिभूतियों (जीएस) की खरीद कर बैंकिंग प्रणाली में 50,000 करोड़ रुपये की नकदी डाली है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, केंद्रीय बैंक ने विभिन्न श्रेणियों के बॉन्ड खरीदे, जिसमें 14,491 करोड़ रुपये के 7.41 प्रतिशत जीएस 2036 बॉन्ड, 13,006 करोड़ रुपये के 6.45 प्रतिशत जीएस 2029 बॉन्ड और 8,350 करोड़ रुपये के 6.64 प्रतिशत जीएस 2035 बॉन्ड प्रमुख रूप से शामिल हैं। इसके अलावा 2046, 2034, 2032 और 2039 में परिपक्व होने वाली सरकारी प्रतिभूतियों की भी खरीद की गई। इस समय बैंकिंग प्रणाली में लगभग 2.49 लाख करोड़ रुपये की अधिशेष नकदी होने का अनुमान है। यह नीलामी पिछले सप्ताह आरबीआई द्वारा घोषित 50,000-50,000 करोड़ रुपये की दो नीलामियों का हिस्सा थी। ओएमओ खरीद की यह घोषणा इस महीने के अंत में होने वाले अग्रिम कर और जीएसटी भुगतान के कारण बैंकिंग प्रणाली से नकदी की भारी निकासी की आशंका को देखते हुए की गई थी। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल जनवरी से अब तक केंद्रीय बैंक ने ओएमओ खरीद के जरिये कुल 3.50 लाख करोड़ रुपये की नकदी प्रणाली में डाली है।

मिडलाइफ महिलाएं समझने लगती हैं अपनी वास्तविक कीमतः लिसा रे

मुंबई। सोशल मीडिया के जरिए कनाडाई-भारतीय अभिनेत्री लिसा रे महिलाओं के स्वास्थ्य, उम्र बढ़ने और जीवन से जुड़े कई अहम विषयों पर खुलकर अपने विचार साझा करती रहती हैं। उन्होंने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर मिडलाइफ को लेकर एक भावनात्मक और प्रेरणादायक पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने इस दौर को महिलाओं के जीवन का महत्वपूर्ण और सशक्त चरण बताया। लिसा रे ने अपने पोस्ट में लिखा कि जब शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन का स्तर कम होने लगता है, तब महिलाओं के जीवन में कई तरह के बदलाव देखने को मिलते हैं। उनके अनुसार इस समय लोग दूसरों को खुश करने की पुरानी आदतों से बाहर निकलने लगते हैं और खुद पर संदेह करना भी धीरे-धीरे कम हो जाता है। उन्होंने कहा कि इस उम्र में मानसिक शांति सबसे अधिक महत्वपूर्ण लगने लगती है और व्यक्ति अपने लिए तय की गई सी मा ओं और नियमों को ज्यादा मजबूती से स्वी का र करता है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि मिडलाइफ केवल शारीरिक बदलावों का दौर नहीं है, बल्कि यह वह समय भी होता है जब जीवन से कई अनावश्यक चीजें अपने-आप दूर होने लगती हैं। इस दौरान व्यक्ति कम माफी मांगता है और खुद को बार-बार साबित करने की जरूरत भी महसूस नहीं करता। उन्होंने लिखा कि इस उम्र में महिलाएं अपनी वास्तविक कीमत समझने लगती हैं और जरूरत पड़ने पर स्पष्ट रूप से 'ना' कहना भी सीख जाती हैं। इससे जीवन अधिक संतुलित और सुकूनभरा हो जाता है। अपनी बात को समाप्त करते हुए लिसा रे ने कहा कि मिडलाइफ को किसी संकट या परेशानी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उ न के मुताबिक यह वह खास समय है जब एक महिला अपनी असली ताकत के साथ जीना शुरू करती है।

वेब सीरीज संकल्प में नजर आएंगी अभिनेत्री
रूप दुर्गापाल

मुंबई। छोटे परदे की अभिनेत्री रूप दुर्गापाल अब ओटीटी डेब्यू करने जा रही हैं। जल्द ही अभिनेत्री आगामी वेब सीरीज संकल्प में नजर आएंगी। इस सीरीज में वे अभिनेता मोहम्मद जीशान अय्यूब की पत्नी माधुरी के किरदार में हैं। रूप ने अपने को-स्टार जीशान के अभिनय की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, जीशान बहुत ही शानदार अभिनेता है। एनएसडी से पढ़ाई करने और फिल्मों-वेब सीरीज में इतना अनुभव होने के कारण उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। उनके सीन्स को देखने का नजरिया, भाषा पर अच्छी पकड़ और एनर्जी ने मेरे साथ के सीन को बेहतर बनाया। मैं हर दिन सेट पर उनके आने का इंतजार करती थी। अभिनेत्री ने आगे सीरीज की पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने बताया कि शानदार कलाकारों के साथ काम करना ही उन्हें इस प्रोजेक्ट में शामिल होने के लिए उत्साहित कर रहा था। अभिनेत्री ने कहा, जब सबके पास अच्छा काम होता है, तो सेट पर और बाहर भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। नाना पाटेकर सर और प्रकाश सर के साथ काम करना एक्टिंग, फिल्म बनाने और जिंदगी के कई पहलुओं को समझने जैसा था। मेघना मलिक से भी बहुत कुछ सीखा। हम लंच और डिनर के दौरान भी खूब बातें करते थे। वे न सिर्फ बेहतरीन एक्टर हैं, बल्कि बहुत अच्छे इंसान भी हैं। उन्होंने आगे बताया कि सीरीज के लिए उन्हें ऑफर कैसे मिला था। उन्होंने बताया, साल 2019 तक मैंने टेलीविजन से आगे जाने के बारे में ज्यादा नहीं सोचा था, लेकिन कोविड के दौरान सब कुछ बदल गया। लोगों को जाते देखकर मुझे एहसास हुआ कि जिंदगी बहुत छोटी है। कुछ भी कहा नहीं जा सकता। तब मैंने फैसला लिया कि अब उन चीजों को आजमाना है जिनसे पहले डर लगता था। उत्तराखंड के अल्मोड़ा की रहने वाली अभिनेत्री रूप ने सिल्वर स्क्रीन पर परफॉर्म करने के अलावा, थिएटर में भी काम किया, जो उनके लिए नया था। उन्होंने थिएटर को लेकर अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए बताया, बिना कट, रीटेक के, महीनों रिहर्सल करके स्टेज पर परफॉर्म करना काफी अजीब था, लेकिन जिंदगी की अनिश्चितता ने मुझे हिम्मत दी। स्टेज पर खड़े होकर बिना किसी डर के परफॉर्म करना शानदार अनुभव था। इसी हिम्मत ने मुझे टीवी से आगे बढ़कर वेब सीरीज में आने की ताकत दी। अभिनेत्री का मानना है कि हर किसी का सफर अलग होता है और सब कुछ अपने सही समय पर ही होता है। उन्होंने कहा, शायद मेरा सफर ऐसा ही होना था। सालों की संख्या मायने नहीं रखती। मैं बहुत खुश हूं कि यह सब अपने आप हुआ। सीरीज का निर्देशन प्रकाश झा ने किया है।

'खोसला का घोसला 2' की रिलीज डेट तय
रक्षाबंधन पर सिनेमाघरों में देगी दस्तक

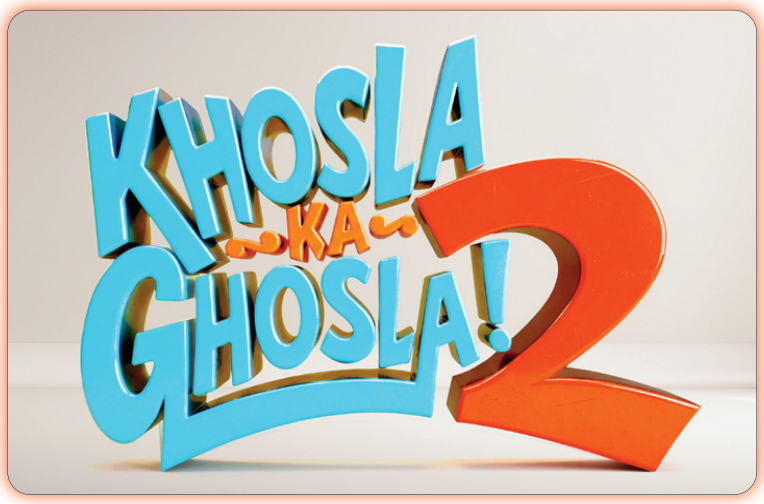

बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर की चर्चित कॉमेडी फिल्म 'खोसला का घोसला' अब अपने सीक्वल के साथ दर्शकों के बीच लौटने के लिए तैयार है। साल 2006 में रिलीज हुई इस फिल्म की लोकप्रियता आज भी बरकरार है। ऐसे में जैसे ही इसके दूसरे भाग की घोषणा हुई, प्रशंसकों में उत्साह बढ़ गया। अब निर्माताओं ने 'खोसला का घोसला 2' की रिलीज तारीख का भी ऐलान कर दिया है। निर्देशक प्रशांत भागिया के निर्देशन में बन रही यह फिल्म 28 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। खास बात यह है कि फिल्म को रक्षाबंधन के मौके पर रिलीज करने की योजना बनाई गई है, जिससे परिवारिक दर्शकों को सिनेमाघरों तक आकर्षित किया जा सके। फिल्म का निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, सविता राज हीरेमठ और राज हीरेमठ ने मिलकर किया है। 'खोसला का घोसला 2' में पहली फिल्म के कई लोकप्रिय कलाकार एक बार फिर अपने किरदारों में नजर आएंगे। अनुपम खेर 'कमल किशोर खोसला' के रूप में वापसी करेंगे, वहीं बोमन ईरानी दबंग 'खुराना' के किरदार में दिखाई देंगे। इसके अलावा रणवीर शौरी, तारा शर्मा और परवीन डबास भी सीक्वल का हिस्सा होंगे। इससे पहले साल की शुरुआत में अनुपम खेर ने जानकारी दी थी कि फिल्म का लगभग 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। अब दर्शकों को इसके सिनेमाघरों में रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार है।